राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,२० दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

किसान नेता राकेश टिकैत बोले, सरकार हल नहीं खोजेगी तो अब होगी 'हल क्रांति'

नई दिल्ली। लगभग महीने भर से जारी किसान आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है और अब भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने किसानों से अगली 'किसान क्रांति' का हिस्सा बनने को कहा है। टिकैत ने चेतावनी दी है कि तीन नए कृषि बिलों पर जारी आंदोलन को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार कोई समाधान नहीं खोज पाती है तो किसान इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अपना रास्ता खुद बनाने के लिए मजबूर होंगे। टिकैत यूपी गेट पर किसानों को संबोधित कर रहे थे, जहां पिछले 23 दिनों से किसान जमे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के साथ 6 दौर की वार्ताओं से कोई समाधान नहीं निकला। अब या तो सरकार इस समस्य का कोई हल खोजे या फिर हमें हल क्रांति करने पर मजबूर होना पड़ेगा। यह क्रांति दिल्ली के दिल तक होकर जाएगी। किसानों को संबोधित करते हुए टिकैत ने देशभर के किसान यूनियनों से एकता दिखाते हुए दिल्ली के 4 बॉर्डरों (सिंघु, टिकरी, यूपी गेट और चिल्ला) पर जारी आंदोलन का हिस्सा बनने को कहा। टिकैत ने कहा, हर किसान को अब अपने घर से निकलना चाहिए और अपने खेती के औजारों के साथ वे हमारे आंदोलन का हिस्सा बनें। मैं छोटे-बड़े सभी किसान यूनियनों से कह रहा हूं कि वे दिल्ली की सीमाओं पर अपने झंडे, बैनरों के साथ पहुंचे। हम उनका स्वागत करेंगे। टिकैत ने किसानों के आंदोलन को शांतिपूर्ण बताने और सरकार से सवाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट को शुक्रिया कहा। टिकैत बोले, मुझे पता लगा है कि सरकार के प्रतिनिधित्व कृषि कानूनों को लेकर 700 से अधिक बैठके करेंगे। इसी तरह की एक मीटिंग मेरठ में हुई। सरकार इस तरह की बैठके शहरों में क्यों कर रही है? वह किसानों से उनके गांव में क्यों नहीं मिलती? किसान दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार वहां क्यों नहीं आती?

श्री गुरु तेग बहादुर के 'शहीदी दिवस' पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी के साथ अन्याय मत करो और किसी को मत डराओ. दूसरों की जिंदगी बचाने की खातिर उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया था. वह जहां भी गए वहां उन्होंने सामुदायिक रसोई और कुएं की स्थापना की.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर को उनके 'शहीदी दिवस' पर श्रद्धांजलि दी और उनके न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के विचारों को याद किया. साल 1621 में जन्मे नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर 1675 में दिल्ली में शहीद हो गए थे।

पीएम मोदी ने पंजाबी भाषा में किया ट्वीट

पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन साहस और करुणा का प्रतीक है. महान श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूं और समावेशी समाज के उनके विचारों को याद करता हूं.' प्रधानमंत्री ने सिख गुरु को श्रद्धांजलि देते हुए पंजाबी भाषा में भी ट्वीट किया।

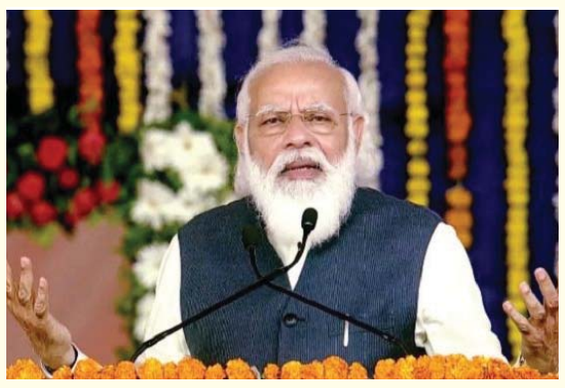

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी के साथ अन्याय मत करो और किसी को मत डराओ. दूसरों की जिंदगी बचाने की खातिर उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया था. वह जहां भी गए वहां उन्होंने सामुदायिक रसोई और कुएं की स्थापना की.

सिखों के नौवे गुरु थे श्री गुरुतेग बहादुर

बता दें कि श्री गुरु तेग बहादुर, सिख धर्म के दस गुरुओं में से नौवें गुरु थे. वह 17वीं शताब्दी (1621 से 1675) के दौरान रहे और उन्होंने सिख धर्म का प्रचार किया। वे दसवें गुरु, गोविंद सिंह के पिता भी थे। गुरु के रुप में उनका कार्यकाल 1665 से 1675 तक रहा. उन्होंने पूरा उत्तर भारत और पूर्वी भारत का भ्रमण कर धर्म का प्रचार किया। श्री गुरु तेग बहादुर ने मुगल साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की थी. उन्होंने अपने अनुयायियों के विश्वास और धार्मिक स्वतंत्रता व अधिकारों की रक्षा की खातिर अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इस कारण सम्मान के साथ उन्हें हिंद दी चादर भी कहा जाता है. श्री गुरु तेग बहादुर को विश्व के इतिहास में सर्वोच्च सथान हासिल है।

सदैव किसी के साथ अन्याय न करने का दिया संदेश

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी के साथ अन्याय मत करो और किसी को मत डराओ. दूसरों की जिंदगी बचाने की खातिर उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया था. वह जहां भी गए वहां उन्होंने सामुदायिक रसोई और कुएं की स्थापना की. धैर्य, वैराग्य और त्याग के प्रतीक श्री गुरु तेग बहादुर जी ने 20 वर्षों तक साधना की. उन्होंने अंधविश्वास को नकार कर समाज में नए आदर्शों को जगह दी. वे वेद,पुराण और उपनिषदों के भी ज्ञानी थे. श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा रचित 115 पद्य श्री गुरुग्रंथ साहिब में शामिल हैं. इनकी स्मृति में दिल्ली में शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब बनवाया गया था।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने NSA अजीत डोभाल के बेटे से मांगी माफी, कहा- गुस्से में आकर दिया था बयान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश आपराधिक मानहानि मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभील के बेटे विवेक डोभाल से माफी मांगी है। विवेक डोभाल ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश और कारवां मैगज़ीन के ख़िलाफ़ उनके खिलाफ एक बयान और लेख के लिए मानहानि का मुकदमा दायर किया था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, मैंने विवेक डोभाल के खिलाफ बयान दिया। चुनावों के समय मैंने गुस्से में आकर कई आरोप लगाए। मुझे इसका सत्यापन करना चाहिए था। इस मामले पर विवेक डोभाल ने कहा, जयराम रमेश ने माफी मांगी है और हमने इसे स्वीकार कर लिया है। कारवां पत्रिका के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला जारी रहेगा। अजीत डोभाल के बेटे विवेक डोभाल ने सोमवार को कथित रूप से मानहानिपूर्ण लेख प्रकाशित करने पर एक समाचार पत्रिका के खिलाफ फौजदारी मानहानि शिकायत दायर की थी। विवेक ने इस मामले में कांग्रेसी नेता जयराम रमेश के खिलाफ भी अभियोजन का अनुरोध किया था। कारवां पत्रिका, इस लेख के लेखक तथा रमेश के खिलाफ शिकायत दायर की गई है। लेख में दावा किया गया कि विवेक एक विदेशी फंड फर्म चला रहे हैं जिसके प्रमोटरों की संदिग्ध पृष्ठभूमि रही है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल मंगलवार को इस मामले में सुनवाई कर सकते हैं। 'द कारवां' नाम की एक वेब मैग्जीन ने अजीत डोभाल और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि अजीत डोभाल के बेटे विवेक डोभाल केमैन आइलैंड में हेज फंड चलाते हैं। यह हेज फंड 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नोटबंदी की घोषणा के महज 13 दिन बाद पंजीकृत किया गया था। विवेक का यह व्यवसाय उनके भाई शौर्य डोभाल के व्यवसाय से जुड़ा है।

पाकिस्तान का एक और झूठ, भारत ने LoC पर UN के वाहन पर हमले के दावे को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली। बार-बार असफल होने के बाद भी पाकिस्तान की आदत नहीं बदलती। वह भारत को बदनाम करने के लिए झूठ बोलता ही रहता है। इसी साजिश के तहत पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि भारतीय सेना ने 'जानबूझकर' नियंत्रण रेखा पर संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की एक गाड़ी को निशाना बनाया। भारत ने इन आरोपों को पूरी तरह से बेबुनियाद और तथ्यात्मक तौर पर गलत बताया है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सेना ने गुलाम कश्मीर में यूएनएमओ के वाहन को निशाना बनाने वाली रिपोर्टों को झूठा बताया है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने सूत्रों के हवाले बताया, आज इस क्षेत्र में भारत की ओर से कोई गोलीबारी नहीं हुई। चूंकि संयुक्त राष्ट्र के वाहनों की गतिविधियों के बारे में पहले से ही जानकारी होती है, इसलिए इस तरह की गोलीबारी का कोई सवाल ही नहीं उठता। आरोप बेबुनियाद हैं। इससे पहले, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ज़ाहिद हाफ़िज़ चौधरी ने कहा कि यह घटना एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर चिरिकोट सेक्टर में सुबह लगभग 10:45 बजे हुई। इस झूठे दावे पहले पाकिस्तान द्वारा यह दावा किया गया था कि भारत उसके खिलाफ एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक की योजना बना रहा था। दो दिवसीय दुबई दौरे की समाप्ति पर एक संवाददाता सम्मेलन पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें विश्वसनीय जानकारी थी कि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की योजना

बना रहा था। पाकिस्तान सर्जिकल स्ट्राइक से इतना डरा हुआ है कि उसने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। उसे लग रहा है कि भारतीय सेना एक बार फिर ऐसी कार्रवाई कर सकती है। बता दें कि जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले में नौशेरा सेक्टर में भारतीय सेना ने पिछले दिनों एलओसी पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए संघर्ष विराम उल्लंघन क जवाब देते हुए उनके दो सैनिकों को मार गिराया था। इसके बाद ही पाकिस्तान ने यह दावा किया है।

4 युद्धों में मात खाने के बाद भी पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा-राजनाथ सिंह

हैदराबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हैदराबाद के डुंडीगल में एयर फोर्स अकादमी में कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'अब तो भारत आतंकवादियों के ख़िलाफ़ देश के भीतर ही नहीं बल्कि सीमा पार जाकर भी प्रभावी कारवाई कर रहा है। बालाकोट में भारतीय वायुसेना ने आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रभावी कारवाई करके सारी दुनिया को भारतीय सेना की ताक़त और आतंक के ख़िलाफ़ उसके मज़बूत इरादों से परिचित करा दिया।' राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिमी सेक्टर में पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर आए दिन हमारा पड़ोसी कुछ न कुछ नापाक हरकतें करते रहता है। एक नहीं बल्कि चार युद्धों में मात खाने के बाद भी पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए एक प्रॉक्सी वार लड़ रहा है। इस दौरान उन्होंने चीन को भी जवाब दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तरी क्षेत्र में हाल ही में हुए भारत-चीन गतिरोध से आप सभी परिचित हैं। कोविड जैसे संकट के समय में चीन का यह रवैया उस देश की नीयत को दिखाता है। हमने यह दिखा दिया है कि अब यह हमारा भारत कोई कमजोर भारत नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक चैनल के जरिए बातचीत हो रही है। हम संघर्ष नहीं बल्कि शांति चाहते हैं। मगर देश के स्वाभिमान पर किसी भी तरह की चोट हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम किसी भी स्थिति का मुक़ाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब आप जिस संगठन के अंग हैं, उसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए भारतीय वायुसेना ने जरूरत पड़ने पर, दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाले शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन किया है।

अमित शाह के स्वागत में शांतिनिकेतन में लगे पोस्टर पर बवाल

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय बंगाल दौरे पर हैं। यहां वह भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कई कार्यक्रमों और रोड शो में शिरकत करेंगे। अमित शाह के दौरे के बीच बंगाल की सियासत में एक नया बवाल शुरू हो गया है। बीरभूम जिले के बोलपुर और शांतिनिकेतन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तस्वीर रवींद्रनाथ टैगोर के ऊपर रखी गई, जिससे भगवा पार्टी पर आरोपों की बौछार शुरू हो गई।

आपको बता दें कि अमित शाह रविवार को बोलपुर जाएंगे। यहां वह एक रोड शो में हिस्सा लेंगे और एक रैली को संबोधित करेंगे। वह एक लोक गायक के गांव में उनके घर में दोपहर का भोजन भी करेंगे। इन तख्तियों में बोलपुर की पूर्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अनुपम हाजरा की तस्वीर भी थीं, जो 2019 में भाजपा में शामिल हुए और अब भगवा पार्टी की राष्ट्रीय सचिव हैं। हाजरा भी विश्व भारती में एक छात्र और शिक्षक थे। तख्तियों में प्रायोजक के रूप में एक सांस्कृतिक संगठन का नाम लिखा गया है। 9 दिसंबर को, बीजेपी की बंगाल इकाई ने जेपी नड्डा के हवाले से कहा कि टैगोर का जन्मस्थान विश्व भारती है। बाद में ट्वीट को हटा दिया गया। हालांकि, ञ्ज्रूस्ट्र ने भूमि के इतिहास को न जानने के लिए भाजपा प्रमुख की आलोचना की और कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता का जन्म कलकत्ता के जोरासांको में हुआ था। भाजपा नेताओं ने स्थानीय लोगों के विरोध के बाद जल्दी से प्लेकार्ड्स को हटा दिया, जिनके लिए टैगोर सांस्कृतिक गौरव है। विश्व भारती के छात्रों ने भी आपत्तियां जताईं। हालांकि शाह के स्वागत के लिए किए जा रहे इंतजामों का जिम्मा संभाल रहे हाजरा ने दावा किया कि तख्तियां न तो भाजपा ने बनाई हैं और न ही पार्टी द्वारा लगाई गई हैं।

कोरोना के इलाज में बिना मंजूरी इस्तेमाल हो रही पेट के कीड़े मारने वाली दवा, 20 रुपए की गोली 35-40 रुपये में बिक रही

नई दिल्ली। कोरोना के उपचार में इस्तेमाल हो रही एक दवा ऐवरमैक्टिन के दामों में भारी इज़ाफा हुआ है। हालांकि, देश में इस दवा को कोरोना के उपचार के लिए अनुमोदित नहीं किया गया है, लेकिन फिर भी धड़ल्ले से इसका इस्तेमाल हो रहा है। नतीजा यह है कि भारी मांग के चलते इसके दाम आसमान छूने लगे हैं। कई महीनों के बाद राष्ट्रीय औषधि मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण (एनपीपीए) इस मुद्दे पर सतर्क हुआ है। उसने कंपनियों को दवा की कीमतों में वृद्धि को लेकर नोटिस दिए हैं।

ऐवरमैक्टिन दवा मूलत~ पेट के कीड़े मारने के काम आती है। कई देशों में कोरोना के उपचार में इसका इस्तेमाल हो रहा है। इस प्रकार की रिपोर्ट प्रकाशित हुई हैं कि इससे मरीज़ों को फायदा हो रहा है। इसके बाद देश में भी अस्पतालों में इसका इस्तेमाल होने लगा। लेकिन, कोरोना के

उपचार के लिए 13 जून को केंद्र सरकार ने जो क्लिनिकल मैनेजमेंट प्रोटोकॉल जारी किया है, उसमें इस दवा को शामिल नहीं किया गया है। लेकिन इसका इस्तेमाल खूब हो रहा है।

एक केमिस्ट ने बताया कि लोग बचाव के लिए भी इस दवा को ले रहे हैं। इसलिए बिक्री बढ़ी है और पिछले छह महीनों के दौरान इसकी कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। इस दवा की एक गोली की कीमत 20 रुपये से कम होती थी, लेकिन आज वह 35-40 रुपये प्रति गोली बिक रही है। आमतौर पर देश में दवाओं के दाम इस तेजी से नहीं बढ़ते हैं, लेकिन दवा की मांग ज्यादा होने के चलते कंपनियों ने इसके दामों में भारी इजाफा किया है।

सोशल मीडिया में इस दवा का एक फोटो भी वायरल हुआ है, जिसमें दिखाया गया है कि सितंबर में दवा के एक पैक की कीमत 195 रुपये है,जबकि अक्तूबर में सीधे 350 रुपये हो गई है। केमिस्टों का कहना है कि कई छोटी-बड़ी कंपनियां इस दवा को बना रही हैं और करीब-करीब सभी कंपनियों ने इसकी कीमतें बढ़ाई हैं।

कीमत में वृद्धि की वजह बताएं

इस बारे में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन आने वाले एनपीपीए से संपर्क किया गया। एनपीपीए की तरफ से बताया गया है कि दवा की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी पर संज्ञान लिया जा चुका है। यह दवा बनाने वाली कंपनियों से पूछा गया है कि वे कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताएं। उनके उत्तर मिलने के बाद कारण की पड़ताल की जाएगी। यदि बढ़ोतरी तर्कसंगत नहीं होगी तो कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इसमें मोटे तौर पर यह देखा जाता है कि अनुपात में दवाओं की कीमत बढ़ी है,क्या वास्तव में उसी अनुपात में दवा के साल्ट की कीमत भी बढ़ी है या फिर कंपनियां मौका का फायदा उठाकर सिर्फ मुनाफाखोरी कर रही हैं।

कोरोना से जंग के लिए अमेरिका को मिला एक और हथियार, फाइज़र के बाद मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को मिली मंजूरी

वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोनावायरस से निपटने के लिए वैक्सीन का ट्रायल जारी है। इस बीच हर दिन लगभग 3000 मौतों से जूझने वाले अमेरिका ने फाइज़र के बाद मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को भी मंजूरी दे दी है। अमेरिका के फूड ऐंड ड्रग ऐडमिनिस्ट्रेशन के एक पैनल ने मॉडर्ना के कोरोना वायरस वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी है। पैनल ने इसे कोरोना से निपटने का दूसरा विकल्प बताया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि मॉडर्ना वैक्सीन का वितरण तत्काल प्रभाव से शुरू हो जाएगा।

इससे पहले अमेरिका में पिछले दिनों फाइज़र द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को पिछले दिनों मंजूरी मिली थी और लोगों को टीके दिए जा रहे हैं। कम संख्या में उपलब्ध यह टीके ज्यादातर स्वास्थ्य कर्मियों को दिए जा रहे हैं।

यह वैक्सीन काफी हद तक फाइज़र और जर्मनी की क्चद्बशह्लद्गष्द्ध की बनाई वैक्सीन जैसी ही है। इन वैक्सीनों पर किए जा रहे शुरुआती शोधों के मुताबिक, दोनों ही वैक्सीन सुरक्षित हैं। हालांकि, मॉडर्ना वैक्सीन का रखरखाव आसान है क्योंकि इसे फाइज़र की तरह -75 डिग्री सेल्सियस में रखने की जरूरत नहीं है।

अमेरिका में अब तक कोरोनावायरस की वजह से 3 लाख 12 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। बीते बुधवार को एक दिन में ही 3 हजार 600 अमेरिकियों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ा। कोरोना ने दुनियाभर में अब तक 17 लाख लोगों की जान ली है।

फाइज़र और मॉडर्ना वैक्सीन के रखरखाव में है अंतर

फाइज़र के कोरोना टीके को माइनस -75 डिग्री सेल्सियस में रखना

अनिवार्य है। यह टीका किसी भी वैक्सीन की तुलना में लगभग 50 डिग्री अधिक ठंडा होना चाहिए। वैक्सीन को समाप्त होने से पहले केवल पांच दिनों तक रेफ्रिजरेटर में रखा जा सकता है। फाइज़र का टीका अस्पतालों के साथ ही प्रमुख संस्थानों के लिए अधिक इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, मॉडर्ना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टीके को सुपर-कोल्ड तापमान पर रखने की जरूरत नहीं है। मॉर्डन के टीके को माइनस-20 डिग्री सेल्सियस पर या घर के फ्रीजर के तापमान में रख सकते हैं। टीके को समाप्त होने से पहले 30 दिनों के लिए रेफ्रिजरेटर में भी रखा जा सकता है। मॉर्डना की वैक्सीन स्थानीय श्रृंखला या फार्मासिस्ट जैसी छोटी सुविधाओं के लिए अधिक उपयोगी हो सकती है।

किन्हें दिए जा सकते हैं ये टीके?

फाइज़र वैक्सीन 16 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को दी जाएगी और मॉडर्ना वैक्सीन को 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को दी जाएगी।

स्वदेशी कोवैक्सीन के लिए कम पड़े वॉलेंटियर

भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके के तीसरे चरण के ट्रायल लिए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को पर्याप्त संख्या में वॉलंटियर नहीं मिल रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि लोग यह सोच कर नहीं आ रहे हैं कि जब सबके लिए टीका जल्दी ही उपलब्ध हो जाएगा तो ट्रायल में भाग लेने की क्या जरूरत है। 'कोवैक्सिन' के अंतिम चरण के ट्रायल के लिए जो संस्थान तय किए गए हैं, उनमें एम्स भी है। ट्रायल के लिए संस्थान को करीब 1,500 लोग चाहिए। कोवैक्सिन का निर्माण भारत बायोटेक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की तरफ से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। एम्स में सामुदायिक चिकित्सा विभाग में प्रफेसर डॉक्टर संजय राय ने कहा, हमें 1500 से 2000 के करीब लोग चाहिए थे लेकिन अभी तक केवल 200 लोग आए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अच्छी या बुरी राजनीति

राजनीतिक खींचतान का जरूरत से ज्यादा बढ़ना और अदालत में पहुंचना लोकतंत्र के लिए दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। राजनीतिक मकसद से विरोधियों या विपक्षियों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति अब किसी एक राज्य की मोहताज नहीं है। आए दिन किसी न किसी राज्य से अप्रिय राजनीतिक घटनाक्रम सामने आता है, जिसमें संविधान की शपथ लेने वाली सरकारों को अनुच्छेदों का दुरुपयोग करते देखा जाता है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने जहां पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा, वहीं दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा के उन पांच नेताओं को राहत दी है, जिनके खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार बिना प्राथमिक जांच के मामले दर्ज किए जा रही थी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि भाजपा नेताओं अर्जुन सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, पवन सिंह, सौरव सिंह और मुकुल रॉय के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। अर्जुन सिंह का मामला तो खासतौर पर राजनीतिक भयादोहन की जीती जागती मिसाल है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के बाद बिना प्राथमिक जांच के ही अर्जुन सिंह के विरुद्ध पुलिस ने 64 मामले बना दिए हैं। भोले से भोला व्यक्ति भी यह समझ सकता है कि पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल कानून-व्यवस्था का दुरुपयोग कर रहा है। उम्मीद करनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट में मामला उठने के बाद राज्य सरकार अपनी सम्मान रक्षा और सुशासन के लिए ज्यादा सक्रिय होगी। इधर, दिल्ली पुलिस की खिंचाई कुछ अलग वजह से हुई है, यह वजह विचारणीय है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और दिल्ली के उप-राज्यपाल के घर के आगे प्रदर्शन करना चाहती है। मामला भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा धन की कथित हेराफेरी का है। लोकतंत्र के हिसाब से आम आदमी पार्टी को विरोध करने का हक है, पर दिल्ली पुलिस ऐसा करने नहीं दे रही। आप के कार्यकर्ता सीमित समय के लिए शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं, पर दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर से लागू दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक आदेश के तहत राष्ट्रीय राजधानी में सभी राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। अब दिल्ली पुलिस को हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना है। सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या किसी आदेश से शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन को रोका जा सकता है? कहीं स्वयं राजनीतिक प्रदर्शन करना और कहीं विरोधियों के प्रदर्शन को रोकना आदर्श स्थिति कतई नहीं है। शालीन ढंग से भी राजनीति हो सकती है और सभ्य-संवेदनशील तरीकों से सरकारें भी काम कर सकती हैं। संविधान में विरोध प्रदर्शन और उसकी सीमा स्पष्ट है। लोकतंत्र में किसी को भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन से नहीं रोका जा सकता, अगर हम ऐसा करने लगेंगे, तो लोकतंत्र की एक बड़ी विशिष्टता का लोप हो जाएगा। एक बड़ी चिंता यह भी हो रही है कि क्या अच्छी राजनीति की इजाजत लेने और बुरी राजनीति से बचने के लिए हर नेता या हर पार्टी को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा? क्या यह उचित नहीं कि हर राजनीतिक दल राजनीति के लिए अनुकूल माहौल तैयार करे? लोकतंत्र की खूबसूरती ही यही है कि जनता को साथ लेकर ऐसे चला जाए कि सत्ता में रहते न कानूनों के दुरुपयोग की जरूरत पड़े और न विपक्ष में रहते कानून तोड़ने की।

आज के ट्वीट

लक्ष्य

हमारा चैलेंज सिर्फ आत्मनिर्भरता ही नहीं है। बल्कि हम इस लक्ष्य को कितनी जल्दी हासिल करते हैं, ये भी उतना ही महत्वपूर्ण है:

--पीएम

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक मोर्चाबंदी

राजकुमार सिंह

कोरोना का कहर जारी है, पर बिहार के बाद अब बंगाल की तैयारी है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने हैं, लेकिन राजनीतिक गहमागहमी को देख कर लगता है मानो चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस गहमागहमी से आगामी चुनाव में जिस राजनीतिक तापमान का अहसास हो रहा है, वह तो चुनावों के शांतिपूर्ण संपन्न होने के प्रति भी आशंकित करता है। बंगाल का देश के इतिहास और राजनीति में विशिष्ट स्थान रहा है। राज्य की सत्ता का तो अपना महत्व होता ही है, लेकिन पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों ने इसे राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण बना दिया है। पश्चिम बंगाल में सत्ता के बल पर ही वाम मोर्चा का दशकों तक राष्ट्रीय राजनीति में भी दबदबा बना रहा। पिछले लगभग एक दशक से ममता बनर्जी अगर राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रमुख चेहरा बनी हुई हैं तो इसीलिए कि वह वाम मोर्चा के तीन दशक से भी पुराने शासन को परास्त कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बन सकीं। मां, माटी और मानुष के नारे के सहारे बांग्ला अस्मिता की दुहाई देकर ममता अंततः 2011 में वामपंथ के इस लाल दुर्ग पर अपनी तृणमूल कांग्रेस का परचम लहराने में सफल हो पायी थीं। जिस वामपंथी गढ़ में देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस सत्ता वापस नहीं पा सकी, वहीं एक जुझारू युवा नेत्री ने कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस से गठबंधन के प्रयोगों की विफलता के बाद अंततः अकेलेदम सत्ता परिवर्तन का करिश्मा कर दिखाया। उसी के चलते ममता में राष्ट्रीय राजनीतिक संभावनाएं भी कुछ लोगों को नजर आयीं। 2014 में कांग्रेस की कुल 44 लोकसभा सीटों के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस की 34 लोकसभा सीटों से संभव है कि खुद ममता के मन में भी राष्ट्रीय राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अंगड़ाई लेने लगी हों, लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों के संभावित परिदृश्य में तो उनके समक्ष सबसे बड़ी चुनौती पश्चिम बंगाल की सत्ता बचा लेना ही होगी। यह सत्ता राजनीति का विचित्र चरित्र ही है कि समय के साथ रिश्ते भी बदल जाते हैं। कभी ममता पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा शासन के विरुद्ध कांग्रेस की सबसे मुखर और संभावनाशील युवा नेत्री हुआ करती थीं। अपनी अलग तृणमूल कांग्रेस बना कर भाजपा से गठबंधन और अटलबिहारी वाजपेयी सरकार में भागीदारी के बाद भी ममता का कांग्रेस से गठबंधन हुआ। निशाने पर तब भी वाम मोर्चा की सत्ता ही थी, लेकिन अब जबकि ममता दो कार्यकाल से मुख्यमंत्री हैं तो उन्हें हराने के लिए कांग्रेस और वाम मोर्चा ने हाथ मिला लिया है। बेशक केरल में अभी भी कांग्रेस और वाम मोर्चा एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी ही हैं। वाम दलों से दक्षिणपंथी भाजपा का विरोध तो शाश्वत है, लेकिन अब उसके निशाने पर भी पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा का सत्ता दुर्ग ढहाने वाली ममता बनर्जी आ गयी हैं। निश्चय ही कारण पश्चिम बंगाल की सत्ता और वहां से राष्ट्रीय राजनीति में मिलने वाली ताकत है। यह भी कि वाजपेयी-आडवाणी युग में भाजपा जहां सहयोगी दलों के सहारे ही सत्ता समीकरण बिठा कर संतुष्ट थी, वहीं मोदी-शाह युग में भाजपा सहयोगियों की कीमत पर भी अपना विस्तार करने में संकोच नहीं करती। बिहार इसका नवीनतम उदाहरण है, जहां भाजपा ने अंततः मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार को ही बनाया, पर उनके जनता दल यूनाइटेड को तीसरे नंबर की गरीब पार्टी बनवा कर खुद उससे बहुत बड़ी पार्टी बन गयी। बेशक इसमें ज्यादा बुराई भी नहीं है। व्यक्ति हो या संगठन, विकास और विस्तार स्वाभाविक मानवीय गुण है। फिर जब मामला सत्ता के विस्तार का हो, तब तो यह जुनून ही बन जाता है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अगर 1977 में खुद से सत्ता छीनने वाले वाम मोर्चा से ही हाथ मिला कर अपनी पुरानी नेत्री को पश्चिम बंगाल की सत्ता से बेदखल करना चाहती है तो उससे आधी से भी कम उम्र की भाजपा ने अपने दम पर सत्ता परिवर्तन का संकल्प लिया है। पिछला विधानसभा चुनाव भी कांग्रेस ने वाम मोर्चा के साथ तालमेल से लड़ा था, लेकिन ममता की सत्ता में वापसी नहीं रोक पायी थी। 294 विधानसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में 211 सीटें जीत कर तृणमूल कांग्रेस ने जबर्दस्त बहुमत हासिल किया था, जबकि कांग्रेस-वाम गठबंधन को 76 सीटें ही मिल पायी थीं। हां, इस पराजय के बीच भी कांग्रेस-वाम गठबंधन के लिए संतोष की बात यह रही कि भाजपा के हिस्से महज तीन सीटें ही आयीं, पर सच यह भी है कि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव की भूमिका तभी से बनना शुरू हुई। इस बदलाव का पहला बड़ा प्रमाण मिला पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में। 2014 के लोकसभा चुनाव में जहां तृणमूल ने 42 में से 34 सीटें जीत कर सभी को चौंका दिया था और मोदी लहर के बावजूद भाजपा महज दो सीटें ही जीत पायी थी, वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 18 सीटों तक पहुंच गयी तो तृणमूल 22 पर अटक गयी। दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद ही भाजपा को लगा कि ममता बनर्जी अजेय नहीं हैं। यह भी कि बंगाल के स्वभाव में शुरू से रही जिस आक्रामता का राजनीतिक हिंसा के लिए इस्तेमाल कर वाम मोर्चा ने अपनी सत्ता का सुरक्षा कवच बनाया था, वैसा ही ममता कर रही हैं। इसीलिए भाजपा ने रणनीति बनायी कि जिस आक्रामकता के साथ वाम मोर्चा के विरुद्ध ममता ने कभी राजनीतिक अभियान चलाया था, उससे भी ज्यादा आक्रामकता के साथ वह तृणमूल कांग्रेस के विरुद्ध चलायेगी। फिर उसके पास तो केंद्र की सत्ता का आकर्षण और ताकत भी है, जो ममता के इर्दगिर्द चक्रव्यूह रचने में मददगार हो सकती है। कहना नहीं होगा कि जिस तरह से चुनाव पूर्व ही तृणमूल कांग्रेस में असंतोष मुखर नजर आ रहा है, उससे तो भाजपा की रणनीति सफल भी होती दिख रही है, लेकिन 211 और तीन सीटों के बीच के लंबे फासले को तय कर पाना शायद उतना आसान न भी हो, जितना समझा जा रहा है। इसलिए भी कि तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक में 30 प्रतिशत अल्पसंख्यक मतदाता भी शामिल हैं, जिनकी प्राथमिकता हर हाल में भाजपा को हराना ही होगी। ध्यान रहे कि पश्चिम बंगाल में 100 से भी ज्यादा विधानसभा सीटों पर अल्पसंख्यक मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। हां, अभी तक तृणमूल, भाजपा और कांग्रेस-वाम गठबंधन के बीच त्रिकोणीय नजर आ रहे आगामी विधानसभा चुनाव मुकाबले में नये खिलाड़ी असदुद्दीन ओवैसी चौथा कोण बन कर क्या गुल खिलायेंगे—यह देखना अवश्य दिलचस्प होगा। हैदराबाद और आसपास से राजनीति शुरू करने वाले ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के हौसले हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव में मिली सफलता से इतने बुलंद हो गये हैं कि वह अगले साल पश्चिम बंगाल और फिर उसके अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अभी से ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अभी इन सवालों के तर्कसम्मत जवाब बाकी हैं कि बिहार में महज पांच सीटें जीतने वाली एआईएमआईएम ने राजद-कांग्रेस गठबंधन के अल्पसंख्यक वोटों में सेंध लगा कर उन्हें कुल कितनी सीटों का नुकसान पहुंचाया या भाजपा को कितनी सीटों पर फायदा पहुंचाया। यह भी कि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में भी वह खुद जीतने के लिए लड़ेगी या दूसरों को हराने-जिताने के लिए। पर नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे सवाल सिर्फ राजनीति पंडितों के विश्लेषण-बहस के लिए रह जाते हैं और सत्ता के खेल में अंततः निर्णायक हार-जीत ही मायने रखती है।

ज्ञान गंगा

परमात्व तत्व

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को समझ लेता है, उसका संबंध परमात्म तत्त्व से स्पष्ट और प्रकट हो जाता है, जिसकी अभिव्यक्ति उच्च शक्तियों के रूप में होकर संसार को प्रभावित करने लगती है और लोग उस व्यक्ति को अवतार, ऋषि, योगी आदि के रूप में पूजने और मनन करने लगते हैं। वह दिव्य पुरुष बन जाता है। परमात्म तत्त्व वह अनंत जीवन, वह सर्वव्यापी चैतन्य और वह सवरेपरि सत्ता है जो इस जगत के पीछे अदृश्य रूप से काम करती, इसका नियमन और नियंत्रण करती है और जिससे दृश्यमान जीवन आता है और सदा सर्वदा आता रहेगा। इसी अनंत, असीम और अनादि ज्ञान और शक्ति के भंडार से संबंध स्थापित हो जाने से साधारण मनुष्य असाधारण बनकर अपने वास्तविक स्वरूप का ज्ञाता हो जाता है। अणु-अणु का मूलाधार वह परमात्म तत्त्व ही है। सब कुछ इसी से बनता और उसी चेतन शक्ति से गतिशील होता है। आकार-प्रकार में भिन्न दिखते हुए भी प्रत्येक पदार्थ एवं प्राणी एक उसी तत्त्व का अंश है। जिस प्रकार समुद्र से उठाया हुआ एक जल बिन्दु भिन्न दिखता हुआ भी मूलतः उसी का संक्षिप्त स्वरूप होता है और समुद्र की सारी विशेषताएं उसमें होती हैं, उसी प्रकार व्यक्तिगत जीवन और समष्टिगत जीवन सीमित और असीमित के मिथ्या के भेद के साथ तत्त्वतः एक ही है। जो जीवात्मा है, वही परमात्मा और जो परमात्मा है वही जीवात्मा। इस सत्य को जानना ही आत्म ज्ञान है। जिन-जिन महापुरुषों ने आत्मज्ञान की प्राप्ति कर ली है, उन्होंने अपना अनुभव प्रकट करते हुए उसकी इस प्रकार पुष्टि की है कि हम अपना जीवन परमात्म तत्त्व से एक दिव्य प्रवाह के रूप में पाते हैं अथवा हमारे जीवन का उस परमात्म तत्व से ऐक्य है। हममें और परमात्मा में कोई भेद नहीं है। हम और हमारा ईश्वर एक सत्य के ही दो नाम और दो रूप हैं। यही ज्ञान अथवा अनुभव आत्मानुभूति आत्म प्रतीति अथवा आत्म ज्ञान के अर्थ में मानी गई है। प्रतीति के साथ शक्ति का अटूट संबंध है जिसे अपने प्रति सर्वशक्तिमान की प्रतीति होती है। वह सर्वशक्तिमान और जिसको अपने प्रति निर्बलता की प्रतीति होती है वह निर्बल बन जाता है और तदनुसार उसका जीवन व्यक्त अथवा प्रकट होता है। अपने प्रति इस प्रतीति की स्थापना करने का प्रयास ही आत्म ज्ञान की ओर अग्रसर होना है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अंतहीन सिलसिला है उनका इंतजार

लक्ष्मीकांता चावला

हाल ही में विजय दिवस मनाया गया। तीन दिसंबर को पाकिस्तान के साथ जो युद्ध शुरू हुआ, उसके परिणामस्वरूप 13 दिनों के संघर्ष के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया और पाकिस्तान को भारतीय सेनाओं ने बुरी तरह धूल चटाई। पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी को 93 हजार सैनिकों के साथ हमारे देश के जनरल अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण करना पड़ा। पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान और आज के बांग्लादेश में जितने अत्याचार किए, उससे जनता त्राहि-त्राहि कर उठी। हजारों बेटियों की इज्जत लूटी गई। जब शासक ही राक्षस बने थे और पाकिस्तान की सेना ही उन पर अत्याचार कर रही थी तो उनका बचाव कैसे होता। ऐसे में लाखों शरणार्थी पूर्वी बंगाल से भारत की सीमाओं में प्रवेश कर गए। जिंदगी, इज्जत और रोटी के लिए तरसते, तड़पते लोग भारत की गोद में शरण लेने के लिए आ गए। ऐसे समय में बंगाल में मुक्ति सेना का गठन हुआ और भारत सरकार ने पड़ोसी देश की पीड़ा को समझते हुए उन्हें आश्रय दिया। अंततः बहुत भयानक युद्ध के बाद पाक सेना घुटनों पर आ गई। जनरल नियाजी ने बहुत प्रयास किया कि पाकिस्तान से कोई सहायता मिल जाए। जब कहीं से कुछ नहीं मिला तो फिर हर हिंदुस्तानी के लिए यह गौरव का अवसर मिला कि नियाजी ने अपनी पिस्टल हमारे सेना नायक के सामने रखकर हस्ताक्षर किए और फिर लगभग एक लाख सैनिकों ने भी हथियार डाले। एक नए देश का उदय हुआ। पाकिस्तान की आधी जमीन बांग्लादेश के नाम से अस्तित्व में आ गई। जो लाखों शरणार्थी भारत में आए उनका पालन-पोषण भारत ने किया। पाकिस्तान के घायल सैनिकों की देखभाल भी की। जो पूर्वी पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के सैनिक थे, उनको भी वापस घरों में भेजा। शायद ही और कोई उदाहरण मिले जहां लगभग एक लाख सैनिक सुरक्षित उनके देश को वापस कर दिए गए हों। लेकिन यक्ष प्रश्न, जिसका उत्तर आधी सदी बीतने के बाद भी नहीं मिला कि हमारे लगभग पचास सैनिक जो पाकिस्तान की कैद में रह गए थे वे कहां गए? वे वापस क्यों नहीं आए? क्या दुनिया भर के देशों में कोई ऐसा समझौता नहीं है कि युद्धबंदी वापस किए जाएं? नियम तो यह भी है कि युद्धबंदियों को बिना कोई हानि पहुंचाए उनके देश को सौंप दिया जाता है। सवाल उस समय की सरकार पर भी है, जिस सरकार ने पाकिस्तान के युद्धबंदी वापस कर दिए। आत्मसमर्पण करने वाले सभी फौजियों को नियाजी सहित सुरक्षित भेजा, पर वे उस समय अपने सैनिक क्यों नहीं वापस ले सके? क्या यह एक बहुत बड़ा राष्ट्रीय अपराध नहीं था? पिछले पचास वर्षों में केंद्र में सत्ता अनेक राजनीतिक दलों के हाथ में रही। सभी 16 दिसंबर को जश्न मना लेते हैं। अब नया वार मेमोरियल बना। वहां भी सलामी दी गई। वहीं से चार मशालों को प्रज्वलित कर देश के अनेक क्षेत्रों में भेजा गया, पर उन आंखों में कोई रोशनी का दीपक नहीं जल सका, जो आंखें 1971 से निरंतर अपने पुत्र और पति की प्रतीक्षा में हैं। कुछ नन्हे-मुन्ने बच्चे जिन्होंने पिता को पूरी तरह देखा भी नहीं होगा वे भी इतना ही अपने बुजुर्गों से सुनते हैं कि उनके पिता पाकिस्तान के विरुद्ध लड़ने गये थे। विजय भी पा गए, पर गए कहां, उसका पता नहीं। इस आधी शताब्दी में शायद देश के अधिकतर लोग भी भूल गए होंगे कि पाकिस्तान की काल कोठरियों में हमारे वीरों ने कितनी यातनाएं भारत मां की सुरक्षा करते हुए सही होंगी, लेकिन वे नहीं भूल सकते, जिनके वे परिजन थे। उनके आंगन में रोशनी तभी आएगी जब उन्हें कम से कम सही जानकारी तो मिले कि उनकी क्या हालत है जो आज तक लौट कर घर नहीं आए। जब भी कोई सैनिक कर्तव्य पथ पर वीर गति को प्राप्त होता है तो एक बार पूरा गांव-शहर उसकी जय-जयकार से गूंजता है। तिरंगे में लिपटा वीर का शरीर जब घर आता है और देशभक्त उसे श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए उमड़ पड़ते हैं तो परिवार के घावों पर मरहम लग जाता है। जब शहीद सैनिक का शरीर तिरंगे में लिपटा सैनिकों के कंधे पर ही अंतिम संस्कार के लिए पहुंचता है, सलामी दी जाती है तब भी परिवार गर्व का अनुभव करता है, पर जो आज तक वापस ही नहीं आए उनके परिवारों को तो यह गर्व और गौरव पाने का अवसर भी नहीं मिला। वे बेचारे जिनके अपने घर से तो युद्ध के लिए गए, सैनिक वेश में गए, सैनिक धर्म भी निभाया पर यह पता न चला कि पाकिस्तान ने उन्हें कहां रखा, कैसे रखा, कब वापस देंगे और अब तो आधी सदी बाद यह प्रश्न भी पैदा होता है कि वे इस संसार में हैं भी या नहीं। जब तक यह जानकारी भी उन्हें न मिले तो उनके घाव सदा रिसते रहेंगे। सवाल यह है कि आखिर सरकार की आधी सदी की खामोशी का रहस्य क्या है?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी ने देश के विकास में टाटा समूह के योगदान को सराहा, रतन टाटा ने कहा- धन्यवाद

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास में टाटा समूह के योगदान की शनिवार को सराहना की। उद्योग मंडल एसोचैम के संस्थापना सप्ताह 2020 कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि पिछले 100 साल में उद्योग चैंबर ने देश की आजादी के संघर्ष समेत भारत के विकास में कई उतार-चढ़ाव देखें होंगे। टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा को 'एसोचैम एंटरप्राइज ऑफ द सेंचुरी अवार्ड' देने के बाद मोदी ने कहा, ''देश के विकास में टाटा समूह ने अहम भूमिका अदा की है।' कार्यक्रम में रतन टाटा ने कोविड-19 महामारी जैसे मुश्किल समय में देश का नेतृत्व करने के लिए मोदी का धन्यवाद किया। साथ ही उद्योग को उनके मजबूत नेतृत्व का लाभ लेने की उम्मीद भी जताई। टाटा ने कहा, ''एक समय होगा जब असंतोष होगा, विरोध भी होगा, लेकिन आप उससे कभी भी भाग नहीं सकते। आप (जनता) लॉकडाउन चाहते थे, आपको लॉकडाउन मिला। आपने (मोदी) ने लोगों को कुछ मिनटों के लिए बत्तियां बंद करने और दिए जलाने के लिए प्रेरित किया। आपने इसे करके दिखाया।' उन्होंने कहा, ''यह कोई चमत्कार नहीं है, यह कोई दिखावा नहीं है। इसने देश को साथ लाने का काम किया और दिखाया कि हम आपके साथ खड़े हो सकते हैं और आपके द्वारा हमारे लिए तय किए गए लक्ष्यों को लेकर अपने कठिन प्रयास कर सकते हैं।' टाटा ने कहा, ''उद्योग के तौर पर अब यह हमारा काम है कि आपका (मोदी) का अनुसरण करें और आपके नेतृत्व का लाभ उठाएं जिसके बारे में मुझे विश्वास है कि हम करेंगे।'

हम पड़ोसियों को मानवीय आधार खाद्य सहायाता पहुंचाते रहते है: डब्ल्यूटीओ में भारत

नयी दिल्ली. भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक बैठक में कहा कि वह अपने पड़ोसी देशों में कमजोर वर्ग की आबादी के लिए वक्त आने पर मानवीय सोच के साथ खाद्य सहायता उपलब्ध कराने में हमेशा आगे रहा है। इस तरह की सहयाता किसी वाणिज्य उद्देश्य से मुक्त होती है। डब्ल्यूटीओ की महापरिषद की बैठक में भारत ने कहा कि 2019 में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कमजोर वर्ग की आबादी की मदद के लिए उससे करीब 11,000 टन दाल, गेहूं और चावल जैसी जिंस लीं। भारत ने कहा कि वह पांच दशक से अधिक समय से डब्ल्यूएफपी के मानवीय कार्य में हाथ बंटाता आ रहा है। देश की ओर से कहा गया ''भारत अपने पड़ोसी देशों को द्विपक्षीय आधार पर गैर-वाणिज्यक, मानवीय खाद्य सहायता के अंतर्गत बढ़-चढ़ कर अनाज उपब्ध कराता रहा है। डब्ल्यूटीओ की तीन दिन की बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। भारत की ओर से जिनीवा में डब्ल्यूटीओ में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि के वक्तव्य में यह बात शामिल है।

पीएचडीसीसीआई ने ऊंची वृद्धि दर हासिल करने के लिए सुझायी 10 सूत्रीय रणनीति

नयी दिल्ली, उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट-पूर्व चर्चा में ऊंची आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने के लिए 10 सूत्रीय रणनीति सुझायी है। इसमें खपत और मांग बढ़ाने तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित किए जाने पर जोर दिया गया है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने एक बयान में कहा, '' मौजूदा समय में हमारा सुझाव है कि व्यक्तिगत आयकर पर 25 प्रतिशत की अधिकतम दर तय की जाए और इसके तहत कोई छूट प्रदान नहीं की जाए। इससे कर अनुपान बढ़ेगा तथा और अधिक लोग कर के दायरे में आएंगे।'' उद्योग मंडल ने वित्त मंत्री के साथ ऑनलाइन बैठक में यह सुझाव दिए। इसमें बुनियादी ढांचे में निवेश, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को मजबूत करने, कारोबार करने की लागत घटाने, निर्यात सुगमता, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में कर संग्रह, कृषि और ग्रामीण क्षेत्र पर ध्यान देने के लिए भी कहा गया है।

पटरी पर आ रही अर्थव्यवस्था, आने वाले वक्त में बेहतर होगी स्थिति: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली:

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 की चोट झेलने के बाद मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) से देश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने का सिलसिला शुरू हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग सूचकांक आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति की ओर इशारा करते हैं। ठाकुर ने यहां कम्पनी सचिवों के 48वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, कोविड-19 की आपदा के मद्देनजर नरेंद्र मोदी सरकार ने उद्योग-व्यापार जगत को प्रोत्साहन देने के लिए अलग-अलग कदम उठाए हैं। इसके बाद इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर आनी शुरू हुई है। उन्होंने अक्टूबर तथा नवंबर में एक-एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारतीय शेयर बाजार में बम्पर खरीदी और अन्य क्षेत्रों के उत्साहजनक आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा, यह दिखाता है कि कोविड-19 संकट से उबर रही भारतीय अर्थव्यवस्था में अच्छा सुधार हुआ है और आने वाले वक्त में इसकी स्थिति बेहतर होगी।

बहरहाल, वित्त राज्य मंत्री ने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या देश की अर्थव्यवस्था मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में तकनीकी मंदी से बाहर निकल सकती है? ठाकुर ने इस प्रश्न पर कहा, दुनिया भर के देशों ने माना है कि महामारी के संकट से निपटने की दिशा में भारत ने अच्छे कदम उठाए हैं। दुनिया भर की एजेंसियों ने कहा है कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.5 फीसद की दर से बढ़ेगी और यह वृद्धि दर उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा होगी। वित्त राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि राजधानी दिल्ली में नए संसद भवन का निर्माण आजाद भारत के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

निर्मला सीतारमण ने कहा- भारत ने 100 वर्षों में ऐसा बजट नहीं देखा गया होगा

बिजनेस डेस्क: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि इस बार का बजट 'अभूतपूर्व' होगा, क्योंकि सरकार महामारी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और विकास को गति देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, चिकित्सा अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) में निवेश तथा टेलीमेडिसिन के लिए व्यापक कौशल का विकास महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। इसके साथ ही आजीविका संबंधी चुनौतियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के नए परिप्रेक्ष्य में देखना होगा।

भारत ने 100 वर्षों में ऐसा बजट नहीं देखा

सीतारमण ने सीआईआई द्वारा आयोजित के एक कार्यक्रम में कहा, 'मुझे अपने सुझाव भेजिए ताकि हम एक ऐसा बजट बना सकें, जैसा इससे पहले कभी नहीं आया। भारत ने 100 वर्षों में ऐसा बजट नहीं देखा गया होगा, जैसा कि महामारी के बाद आएगा।' उन्होंने सीआईआई साझेदारी सम्मेलन 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा, 'और यह तब तक संभव नहीं होगा, जब तक मुझे आपके सुझाव और मांगों की सूची नहीं मिल जाती है, इन चुनौतियों से जो बातें आपके विचार में आईं हों, उसका स्पष्ट अवलोकन इसके बिना, मेरे लिए ऐसा दस्तावेज तैयार करना असंभव है, जो एक अभूतपूर्व बजट हो, एक बजट जिसे महामारी के बाद बनाया जा रहा है।'

1 फरवरी को पेश होगा आम बजट

वित्त वर्ष 2021-22 का आम बजट संसद में 1 फरवरी 2021 को पेश किया जाना है। वित्त मंत्री ने कहा कि वृद्धि को पटरी पर लाने के लिए उन क्षेत्रों के लिए समर्थन बढ़ाना चाहिए, जो कोविड-19 महामारी के चलते बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और साथ ही ऐस क्षेत्र जो आगे वृद्धि के वाहक बन सकते हैं।

क्रेडाई का सीमेंट, इस्पात कंपनियों पर साठगांठ का आरोप, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की गुहार

नई दिल्ली:

रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने सीमेंट और इस्पात के दाम को नियमन के दायरे में लाए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। संगठन ने आरोप लगाया है कि इन दोनों क्षेत्रों में आपसी साठगांठ के चलते दाम तेजी से बढ़ा दिए गए हैं जिसका रियल एस्टेट क्षेत्र पर बुरा असर पड़ रहा है। क्रेडाई ने मामले में सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कन्फेडरेशन आफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएसन आफ इंडिया (क्रेडाई) ने दाम में अचानक वृद्धि किया जाना पूरी तरह से अनैतिक है और ऐसा करना अनुचित एवं प्रतिबंधित व्यापार गतिविधियों के दायरे में आता है। सीमेंट और इस्पात विनिर्माताओं की मूल्य निति बाजार में आपसी साठगांठ के तहत उठाया जाने वाले तरीकों का एक स्पष्ट उदाहरण है। क्रेडाई ने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में लिखा है कि इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक सीमेंट के दाम 23 प्रतिशत और इस्पात का दाम 45 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ चुका है। जनवरी 2020 में सीमेंट के 50 किलो के कट्टे का दाम 349 रुपए था जो कि दिसंबर 2020 में बढ़कर 420-430 रुपए तक पहुंच चुका है। इसी प्रकार इस साल की शुरुआत में इस्पात का दाम 40,000 रुपए प्रति टन पर चल रहा था जो कि दिसंबर आते आते 58,000 रुपए प्रति टन तक पहुंच चुका है। क्रेडाई ने इस संबंध में प्रधानमंत्री और सभी संबंधित मंत्रालयों को पत्र लिखकर उनसे सीमेंट और इस्पात विनिर्माताओं द्वारा की जा रही साठगांठ पर गौर करने का आग्रह किया है। क्रेडाई के साथ 20 हजार से अधिक रियल एस्टेट डेवलपर, निर्माण कार्य करने वाले उद्यमी जुड़े हैं। संगठन ने सरकार से मामले में हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए कहा है कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले सीमेंट, इस्पात जैसे तमाम कच्चे माल के दाम नियमन के दायरे में लाए जाएं। क्रेडाई ने सरकार को याद दिलाया है कि रियल एस्टेट क्षेत्र कोरोना वायरस महामारी के दौरान सबसे बुरी तरह प्रभावित रहा है। संगठन ने कहा है कि आपसी साठगांठ के चलते सीमेंट, इस्पात और दूसरे जरूरी सामान के दाम में लगातार और अचानक हो रही वृद्धि के कारण रियल एस्टेट डेवलपरों की निर्माण लागत बढ़ रही है और इस स्थिति से मकान बनाने और उन्हें लोगों के सुपुर्द करने में देरी हो सकती है। कुछ मामलों में परियोजनाएं रुक भी सकती है जिससे कि खरीदारों को उनके फ्लैट मिलने में देरी होगी कुल मिलाकर क्षेत्र पर बुरा असर पड़ेगा। क्रेडाई के चेयरमैन जक्ष्य शाह ने कहा, ''रियल एस्टेट क्षेत्र बहुत कम मार्जिन पर काम कर रहा है। यह क्षेत्र जहां एक तरफ बिना बिके मकानों की समस्या से जूझ रहा है वहीं धन की कमी के चलते अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भी कठिन स्थिति से जूझ रहा है। मकानों की मांग स्थिर बनी हुई है इसलिए डेवलपर ने दाम नहीं बढ़ाए हैं और सस्ते मे ही अपने मकान बेच रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को सीमेंट, इस्पात और दूसरे कच्चे माल के बढ़ते दाम पर अंकुश लगाने तुरंत कदम उठाने चाहिए।%%

कोरोना से रेलवे को यात्री राजस्व में 70 प्रतिशत से अधिक का नुकसान

नई दिल्ली:

कोरोना संकट के बावजूद रेलवे को माल ढुलाई और उससे राजस्व अर्जन में पिछले वर्ष की तुलना में फायदा कमाने की उम्मीद है लेकिन यात्री परिवहन से उसे 70 प्रतिशत से अधिक घाटे का अनुमान है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद कुमार यादव ने कहा कि माल परिवहन में रेलवे चालू वित्त वर्ष में इस समय तक पिछले वित्त वर्ष की की इसी अवधि की तुलना में 97 प्रतिशत तक पहुंच गई है और राजस्व में उसे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत का फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समय रेलवे को माल ढुलाई में 9000 करोड़ रुपए का घाटा है। इस माह कार्यकाल पूरा कर रहे यादव ने कहा कि यात्री परिवहन के माध्यम से गत वर्ष रेलवे को करीब 53000 करोड़ रुपए की आय हुई थी लेकिन इस वर्ष केवल 4600 करोड़ रुपए की आय हुई है तथा 31 मार्च तक 15000 करोड़ तक आय होने की अनुमान है जो गत वर्ष की तुलना में केवल 28 से 29 प्रतिशत होगा अर्थात् यात्री राजस्व में 70 प्रतिशत से अधिक घाटा होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक यात्रियों से होने वाली आय में 87 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। हालांकि यात्रियों से होने वाली आय में कमी की भरपाई माल ढुलाई से होने वाली आमदनी से हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रेलवे माल ढुलाई के क्षेत्र में बेहतर बुनियादी सुविधाओं और कारोबार विकास योजना के बल पर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर काम कर रहा है। इससे रेलवे को 2030 तक माल ढुलाई क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 27 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत तक पहुंच जाने की उम्मीद है। यादव ने कहा रेलवे ने 2019 की समाप्ति पर वर्ष के दौरान देश में कुल 470 करोड़ टन माल ढुलाई में से केवल 121 करोड़ टन माल की ही ढुलाई की लेकिन 2024 के अंत तक उसकी कुल 640 करोड़ टन माल ढुलाई में से 202.40 करोड़ टन माल की ढुलाई का लक्ष्य तय किया गया है। इस गति से रेलवे वर्ष 2030 तक माल ढुलाई में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर सकेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय रेल योजना के दृष्टिकोण 2024 के तहत रेलवे अपनी विभिन्न ढांचागत सुविधाओं का विस्तार करेगा और उन्हें मजबूत बनाएगा ताकि 2024 तक 202.40 करोड़ टन माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इस लक्ष्य को पाने के लिए रेलवे 16 हजार 373 किलोमीटर नई रेलवे लाइन बिछाएगा। करीब 58 सुपर क्रिटिकल परियोजनाओं, 68 क्रिटिकल परियोजनाओं और 46 अधिक भीड़भाड़ नेटवर्क वाली 46 परियोजनाओं को पूरा करेगा। इसके अलावा 32 अन्य जारी परियोजनाओं को भी तेजी से पूरा किया जाएगा। यादव ने कहा कि राष्ट्रीय रेल योजना का अंतिम प्रारूप तैयार है और जल्द ही इसे संबंधित पक्षों को उनकी राय जानने के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद एक माह में हम इसे अंतिम रूप दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे कोयला खदानों से संपक 'वाली 20 अतिरिक्त परियोजनाओं को पूरा करने वाला है और दिसंबर 2023 तक रेलवे विद्युतीकरण की 146 परियोजनाओं को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों में संपर्क की 288 किलोमीटर की परियोजनाओं को 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा जबकि उधमपुर- श्रीनगर- बारामुला की शेष 111 किलोमीटर की रेल लाइन परियोजना को दिसंबर 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। रेलवे के विजन 2024 में नए दिल्ली से हावड़ा और नई दिल्ली से मुंबई रेल मार्गों पर रेलगाडियों की गति बढ़ाकर 160 किलोमीटर प्रति घंटा किए जाने के साथ ही ग्रांड कोर्ड और ग्रांड डायग्नल मार्ग पर गति 130 किलोमीटर प्रतिघंटा तक बढ़ाने की योजना पर काम जारी है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं पर कुल 2.90 लाख करोड़ रुपए का पूंजी व्यय होने का अनुमान है। राष्ट्रीय रेल योजना में माल ढुलाई को समर्पित तीन गलियारों की परियोजना भी शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 3,958 किलोमीटर होगी।

विस्ट्रॉन न अपने इंडियन ऑपरेशन के वाइस प्रेसिडेंट को हटाया, कर्मचारियों से मांगी माफी

बिजनेस डेस्क:

ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन कॉरपोरेशन ने कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट विंसेंट ली को नौकरी से निकल दिया है। उनकी जिम्मेदारी भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग के बिजनेस को देखने की थी। यह कदम पिछले दिनों कर्नाटक के कोलार में कंपनी के एक प्लांट में तोड़फोड़ के बाद उठाया है। विस्ट्रॉन ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि कर्मचारियों ने ये कदम उनके पूरे पैसे ना मिलने और काम की खराब स्थिति की वजह से उठाया था। कंपनी ने अपने बयान में सभी कर्मचारीयों से माफी भी मांगी है।

8 के बजाय 12 घंटे काम लिया जाता

विस्ट्रॉन कॉर्प ने 12 दिसंबर को ताइवान स्टॉक एक्सचेंज को कोलार जिले के नरसापुरा के अपने आईफोन विनिर्माण संयंत्र में हिंसा की जानकारी दी थी। कर्मचारियों ने शिकायत की थी कि उन्हें सही तरीके से वेतन नहीं दिया जाता है। यह भी शिकायत थी कि महिलाओं को नियुक्त किया जाता है, लेकिन उनके लिए उचित व्यवस्था नहीं है। उनसे 8 के बजाय 12 घंटे काम लिया जाता है।

कंपनी की तरफ से उनकी तमाम शिकायतों को अनसुना किया जाता रहा और एक दिन कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा। बता दें कि विस्ट्रॉन की पांच-छह कंपनियों के साथ आउटसोर्सिंग व्यवस्था है जिसके तहत कुल 8,490 ठेका श्रमिक हैं। इसके अलावा स्थायी कर्मचारियों की संख्या 1,343 है। घटना के वक्त, लगभग 2,000 कर्मचारियों में से अधिकांश अपनी नाइट-शिफ्ट पूरी करने के बाद कंपनी से बाहर निकल रहे थे, तभी वे उग्र हो गए और फर्नीचर, असेंबली इकाइयों को क्षति पहुंचाने पर उतारू हो गए और वाहनों में भी आग लगाने का प्रयास किया। आगजनी के दौरान कुछ साथी कर्मचारियों ने घटना का वीडियो शूट कर लिया, जिसमें भीड़ को दरवाजों और शीशों को तोड़ते, कारों को उल्टा करते और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालयों को निशाना बनाते हुए देखा गया।

कंपनी को हुआ करीब 437 करोड़ का नुकसान

ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन कॉरपोरेशन ने कहा है कि कर्नाटक के कोलार जिले में स्थित उसके संयंत्र में कुछ कर्मचारियों द्वारा बकाया वेतन के मुद्दे पर की गई हिंसा के चलते उसे 437 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा, आगामी महीनों में सुधारों की रफ्तार कायम रहेगी

बिजनेस डेस्क:

आर्थिक मामलों के सचिव तरुण बजाज ने शुक्रवार को निवेशकों को भरोसा दिलाया कि आगामी महीनों में सुधारों की रफ्तार कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि आगामी आम बजट में भी सुधारों की रफ्तार कायम रखने के उपाय किए जाएंगे। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर बजाज ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर कुछ सकारात्मक रहेगी।

एडवांस टैक्स के आंकड़े अनुमान से बेहतर

कोरोना वायरस महामारी की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के चलते चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। हालांकि, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में अर्थव्यवस्था में गिरावट की रफ्तार घटकर 7.5 प्रतिशत रह गई। राजस्व संग्रह पर बजाज ने कहा कि अग्रिम कर के आंकड़े हमारे अनुमान से बेहतर रहे है। राजस्व में कमी दूसरी तिमाही की तुलना या कहें 15 सितंबर की तुलना में कम हुई है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा है। वास्तव में महामारी के दौर में कृषि क्षेत्र सबसे चमकदार साबित हुआ है।

अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटेगी

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा, ''कुल मिलाकर हम उम्मीद रहे हैं कि अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटेगी। निचले आधार प्रभाव की वजह से हम अगले वित्त वर्ष में मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।'' बजाज ने स्पष्ट किया कि आगामी महीनों में सुधारों की रफ्तार कायम रहेगी। उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ यही कहूंगा कि हमने जो सुधार शुरू किए हैं, महामारी के दौरान सुधारों की जो रफ्तार रही है, मुझे विश्वास है कि वह आगामी महीनों, आगामी बजट में कायम रहेगी। यह एक महत्वपूर्ण पहलू है। सरकार इसको लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार वित्त वर्ष 2021-22 का आम बजट एक फरवरी को पेश करेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट, जानें भारत के पास कितना बचा स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। 11 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 77.8 करोड़ डॉलर घटकर विदेशी मुद्रा भंडार 578.568 अरब डॉलर रह गया। जबकि पिछले सप्ताह ही विदेशी मुद्रा भंडार में 4.525 अरब डॉलर उछाल देखा गया था और मुद्रा भंडार 579.346 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। जो कि एक रिकॉर्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के जारी आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (FCA) में कमी आने की वजह से मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिली थी। कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां होती हैं। RBI के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक समीक्षावधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों 1.042 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई, जो 536.344 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में मुद्रा परिसंपत्तियों को दर्शाया जाता है। इसके आलावा इसमें यूरो, पौंड, येन जैसी विदेशी मुद्राएं भी हैं। 4 दिसंबर को खत्म हुए समीक्षा सप्ताह में देश में देश में स्वर्ण भंडार (Gold Reserves) का वैल्यू 28.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 36.012 अरब डॉलर हो गई। वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में मिला असाधारण आहरण अधिकार तीस लाख डॉलर की गिरावट के साथ 1.503 अरब डॉलर और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर गिरावट हुई और भंडार 4.709 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंकों द्वारा रखी गई धनराशि और संपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार होती है। इनका इस्तेमाल देनदारियों के वक्त भुगतान के लिए किया जाता है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार होना बेहद महत्वपूर्ण है। इसकी वजह से आर्थिक संकट के दौरान अर्थव्यवस्था को काफी मदद मिलती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में विदेशी मुद्रा और संपत्ति, स्वर्ण भंडार और दूसरी रिजर्व शामिल होते है। इसमें से विदेशी मुद्रा संपत्ति सोने के बाद सबसे बड़ा हिस्सा रखता है।

विश्वबैंक का चीन को झटका, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में 7 स्थान नीचे धकेला

नई दिल्ली:

विश्वबैंक ने आंकड़ों में अनियमिता की समीक्षा के बाद कारोबार सुगमता की संशोधित रैंकिंग जारी की है। विश्वबैंक ने शुक्रवार को कहा कि 2018 की सूची में चीन का स्थान सात अंक नीचे होना चाहिए था। चीन के अलावा विश्वबैंक ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अजरबेजान की रैंकिंग में भी संशोधन किया है। विश्वबैंक ने पिछली कुछ रिपोर्टों के आंकड़ों में अनियमिता की समीक्षा के बाद बदलाव के चलते अगस्त में कारोबार सुगमता रैंकिंग की रिपोर्टों के प्रकाशन पर रोक लगा दी थी। विश्वबैंक ने 16 दिसंबर को एक बयान में कहा कि आंकड़ों में अनियमिता की समीक्षा के बाद चार देश चीन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और अजरबेजान की रैंकिंग में सुधार की जरूरत पड़ी। कारोबार सुगमता रैंकिंग 2018 में कारोबार शुरू करने, ऋण प्राप्त करने और कर चुकाने के संकेतकों के आंकड़ों में अनियमितताओं के शामिल रहते चीन को 65.3 अंक दिया गया था। उस रिपोर्ट में चीन की वैश्विक रैंकिंग 78 थी। उसकी 2017 की रैंकिंग की भी यही थी।

नियमिताओं की समीक्षा के बाद 2018 की रैंकिंग में चीन को 64.5 अंक हासिल हुए। इस तरह उसकी वैश्विक रैंकिंग सात अंक गिरकर 85 रही। समीक्षा के बाद संयुक्त अरब अमीरात की रैंकिंग 16 पर अपरिवर्तित रही। जबकि सऊदी अरब की 62 से घटकर 63 हो गई और अजरबेजान की 34 से सुधरकर 28 हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राफेल नडाल ने बताया- कब उन्होंने टेनिस को प्रोफेशनल के तौर पर देखा

नई दिल्ली। टेनिस प्लेयर राफेल नडाल ने खुलासा किया है कि आखिर कब उन्होंने टेनिस को प्रोफेशनल करियर के रूप में देखना शुरू कर दिया था। नडाल ने कहा- मैंने एक बच्चे के रूप में वास्तव में टेनिस का खूब आनंद उठाता था। मुझे हमेशा से यह खेल पसंद रहा। मैंने फुटबॉल, टेनिस खेला। मुझे सभी खेल पसंद थे। स्पैनियार्ड ने कहा कि उनके चाचा टोनी ने मानेकोर क्लब में बच्चों को टेनिस का पाठ पढ़ाते हुए उन्हें खेल से रूबरू कराया था। मैंने टेनिस खेलना शुरू कर दिया है क्योंकि मेरे चाचा मैनाकोर के क्लब में कोच थे, जोकि मेरा गृहनगर है। नडाल बोले- मैंने स्कूल में अन्य बच्चों के साथ खेलना शुरू किया। मुझे टेनिस अच्छा लगने लगा। मुझे लगता है कि जब मैं 8 या 9 साल का था, तब मैं पहले से ही यहां जाना चाहता था। उन्होंने कहा कि एक बार उनके चाचा ने उनकी प्रतिभा का ध्यान रखा तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जीवन ने मुझे टेनिस खेलना जारी रखना सिखाया। नडाल बोले- मुझे खेलना पसंद था, मुझे प्रतिस्पर्धा करना पसंद था। मैंने इस खेल के माध्यम से बहुत सारे नए दोस्त बनाए। टेनिस को धन्यवाद देता हूं जिसने मुझे कई दोस्त दिए। सच्चाई यह है कि मेरे पास टेनिस खेलते हुए एक सबसे अच्छा समय होता है।

शर्मनाक हार के बाद बल्लेबाजों पर भड़के कप्तान, जीत का जज्बा ही नहीं

दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया शर्मनाक हार के बाद भारतीय खिलाड़ियो की खूब आलोचना हो रही है। बल्लेबाजो प्रदर्शन से बेहद नाराज भारतीय कप्तान विराट कोहली ने माना कि उनके पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले डे नाइट टेस्ट मैच में मनोबल तोड़ने वाली हार है। इस हार को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं है। कोहली ने अपनी टीम के न्यूनतम स्कोर के लिए बल्लेबाजों की लापरवाही को दोशी बताया। कोहली ने कहा कि टीम ने जीत के लिए किसी तरह का जज्बा नहीं दिखाया। भारतीय टीम दूसरी पारी में अपने न्यूनतम स्कोर 36 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच आठ विकेट से जीतकर चार मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई। 36 रन पर आउट हो जाना टीम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कोहली ने मैच के बाद कहा कि भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना बहुत मुश्किल है। कोहली ने कहा कि हमारे पास 60 रन के करीब बढ़त थी और इसके बाद हमारी पारी बिखर गई। टीम का बढ़त के बाद बिखर जाना दुखद है। कोहली ने कहा कि आप दो दिन तक कड़ी मेहनत करके खुद को अच्छी स्थिति में रखते हो और एक अचानक एक घंटे में स्थिति बदल जाती है और फिर जीत असंभव बन जाती है। बल्लेबाजों के निराशाजन प्रदर्शन ने अच्छी स्थिति को गवां दिया और मैच भी गवां दिया। कोहली ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें आज थोड़ा जज्बा दिखाना चाहिए था। अपने इरादे जतलाने चाहिए थे। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों ने पहली पारी में भी इन्हीं क्षेत्रों में गेंदबाजी की थी लेकिन तब हमारी मानसिकता रन बनाने की थी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कुछ अच्छी गेंदें की। उन्होंने पहली पारी की तुलना में कुछ खास नया नहीं किया। कोहली ने कहा कि मेरा मानना है कि यह मानसिकता थी। यह स्पष्ट था। ऐसा लग रहा था कि रन बनाना बहुत मुश्किल है और गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ गया। यह जज्बे की कमी और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सही क्षेत्र में गेंद करने का संयोजन था। भारतीय बल्लेबाजी कमजोर पड़ती गई। कोहली अब अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट जाएंगे.

उनकी जगह बाकी बचे तीन टेस्ट मैचों में अजिंक्य रहाणे टीम की अगुवाई करेंगे. कोहली ने कहा, 'निश्चित तौर पर आप टीम के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहते हैं. बेहतर परिणाम वास्तव में अच्छा होता, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि खिलाड़ी बॉक्सिंग डे टेस्ट में मजबूत वापसी करेंगे।

टेलीफंकन ने जीता टर्फ यूथ कप

नयी दिल्ली।

निशांत ठाकुर 4/51, शिवांग शर्मा 3/33 और स्वम कौशिक 55, युगल सैनी 47 नाबाद के बेहतरीन प्रदर्शन की मदद से टेलीफंकन क्लब ने एल बी शास्त्री क्लब को 6 विकेट से हराकर अंडर 19 टर्फ यूथ कप का खिताब जीत लिया। पहले खेलते हुए एल बी शास्त्री क्लब ने 39.5 ओवर में 194 रनों का स्कोर बनाया। सुमित चिकारा ने 63 और शिवांश गौतम ने 38 रनों की पारी खेली। निशांत ठाकुर ने 51 रन देकर 4 और शिवांश शर्मा ने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। 194 रनों का लक्ष्य टेलीफंकन 38 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्वम कौशिक ने 55 और युगल सैनी ने 47 नाबाद रनों की पारी खेली। निशांत ठाकुर को मैन आफ द मैच और बेस्ट गेंदबाज अवार्ड दिया गया। सोमवीर को बेस्ट बल्लेबाज, क्रिस अग्रवाल को बेस्ट विकेटकीपर और अंचित यादव को मैन आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार सचिन खुराना डायरेक्टर टर्फ स्पोटर्स मैनेजमेंट द्वारा दिए गए। इस अवसर पर मॉडर्न स्कूल के क्रिकेट कोच नवीन चोपड़ा और गन्नौर प्रीमियर लीग के चेयरमैन सनथ जैन ने भी खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए।

संक्षिप्त स्कोर

एल बी शास्त्री क्लबः 194 ओवर 39.5, सुमित चिकारा 63, शिवास गौतम 38, निशांत ठाकुर 4/51, शिवांग शर्मा 3/33, साहित विल्सन 2/21 टेलीफंकन क्लबः 4/198, ओवर 38, स्वम कौशिक 55, युगल सैनी 47 नाबाद, सक्षम मतीर 37, यश डबास 28 नाबाद

सिमरनजीत कोलोन मुक्केबाजी विश्व कप के फाइनल में

नई दिल्ली । विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने शुक्रवार को युक्रेन की मारियाना बेसेनेट्स को हराकर जर्मनी के कोलोन में मुक्केबाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सिमरनजीत ने 4-1 की जीत के साथ खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया जो शनिवार को खेला जाएगा। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप की दो बार की पदक विजेता सोनिया लाठेर ने उक्रेन की स्निझाना खोलोदकोवा को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना हमवतन मनीषा से होगा। मनीषा को क्वार्टर फाइनल में बाई मिली थी। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता सतीश कुमार (+91 किग्रा) ने अपने अभियान की शुरुआत मालदोवा के ज्वानटिन एलेक्सेल के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ थी। सतीश ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) ने भी जर्मनी के उमर बाजवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी वर्ग के अन्य मुकाबलों में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन गौरव सोलंकी ने स्थानीय दावेदार मुरात यिलदिरिम को 3-2 से हराया जबकि कविंदर सिंह बिष्ट ने फ्रांस के सैमुअल किस्तोहरी को शिकस्त दी। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष कुमार (75 किग्रा) को नीदरलैंड के मैक्स वान डेर पास के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 1-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। एशियाई खेलों के चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (52 किग्रा) ने भी गुरुवार को फाइनल में जगह बनाई थी।

अपने छठे मैच में भी अजेयक्रम जारी रखना चाहेगा हैदराबाद

वास्को।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अब तक अजेय चल रही हैदराबाद एफसी रविवार को तिलक मैदान पर टेबल टॉपर मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ होने वाले अपने छठे मैच में अजेयक्रम जारी रखना चाहेगी। कोच मनोलो मारक्वेज की टीम हैदराबाद ने पिछले तीन मैचों में लगातार तीन ड्रॉ खेलने के बाद अपने पिछले मैच में ईस्ट बंगाल को मात देकर जीत दर्ज की थी। वहीं, मुंबई को अपने पिछले मैच में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा था। मारक्वेज ने कहा, 'मेरे विचार में मुंबई रेगुलर सीजन में जीत की दावेदार है। उनके पास काफी अच्छी टीम है, जिसमें अच्छे खिलाड़ी और कोच हैं। वे बढ़िया फुटबाल खेलते हैं और उनका सेट पीस भी अच्छा है। मुझे लगता है कि यह एक अधिक मुश्किल मैच होगा, जो हम खेलेंगे।' मारक्वेज जानते हैं कि तीन अंक लेने के लिए उनके पास पर्याप्त क्षमता है। टीम के पास एरिडेन संताना है, जो पहले ही चार गोल दाग चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷निश्चित रूप से, हमारे पास मैच जीतने की संभावना होगा। हम किसी भी टीम के खिलाफ जीत और हार सकते हैं और यह हमारे प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। हमने इस मैच के लिए उसी तरह की तैयारी की है, जैसा कि हम अन्य मैचों के लिए करते हैं। बेशक, हमने प्रतिद्वंद्वी के वीडियो को देखा है। वे एक ऐसी टीम हैं, जो हमारी टीम की तरह ही गेंद को अपने पास रखना चाहती हैं। दूसरी तरफ, सर्जियो लोबेरा की मुंबई 13 अंकों के साथ टॉप पर कायम है। उसके और एटीके मोहन बागान के एक समान अंक है। मुंबई अपने पिछले मैच में जमशेदपुर के खिलाफ 64 प्रतिशत बॉल पजेशन के बावजूद केवल चार शॉट ही टारगेट पर लगा पाई थी। हुगो बोउमस के नाम लीग में सबसे ज्यादा असिस्ट है और अगर वह फिट होकर लौटते हैं तो मुंबई की समस्या का हल हो सकता है। लोबेरा ने कहा, पिछले मैच को फिनिश करना महत्वपूर्ण था क्योंकि हमने कई मौके बनाए थे। जब आप मौके बनाते हैं तो आपको गोल करना चाहिए। कोच का मानना है कि एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ यह एक कड़ा मुकाबला है। उन्होंने कहा, मुझे कोच और उनके खिलाड़ियों का प्रोफाइल पता है। वह (मारक्वेज) लास पामास में काम कर रहे थे। पहले मैं भी उसी क्लब में था और मुझे उनके खेलने की शैली पता है।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने मयंक

एडिलेट । सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम एडिलेड ओवल मैदान पर आस्ट्रेलिया के बीच हुए डे-नाइट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को हासिल किया। यह मयंक की टेस्ट में 19वीं पारी है। मिशेल स्टार्क की गेंद पर चौका मार उन्होंने टेस्ट में अपने 1000 रन पूरे किए। मयंक का यह 12वां टेस्ट है। उनसे आगे विनोद कांबली और चेतेश्वर पुजारा हैं। कांबली ने 14 पारियों में ही एक हजार रन पूरे कर लिए थे। पुजारा ने 18 पारियों में 1000 रन बनाए थे। पहली पारी में मयंक ने 17 रन बनाए थे जबकि दूसरी पारी में नौ रन बनाए। वह इस पारी में टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे।

पीवी सिंधु थाईलैंड ओपन से करेंगे वापसी, बोली- हम सबको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा

नई दिल्ली । भारतीय शटलर पीवी सिंधु जनवरी 2021 में प्रतिस्पर्धी एक्शन में लौटेंगी, जहां वह कम से कम तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। सिंधु जोकि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के कोर ग्रुप का एक हिस्सा है, अब थाईलैंड ओपन (12-17 जनवरी), टोयोटा थाईलैंड ओपन (19-24 जनवरी) और वर्ल्ड टूर फाइनल में खेलेगी। खेल मंत्रालय ने सिंधु को टूर्नामेंट में उनके साथ उनके फिजियो और फिटनेस ट्रेनर रखने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक बयान में कहा है- तीनों टूर्नामेंटों में सिंधु के साथ फिजियो और ट्रेनर रहेंगे। आखिरी बार उसने इस साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धी रूप से खेला था, इससे पहले कोविड -19 महामारी ने खेल को रोक दिया था। सितंबर में विश्व विजेता ने डेनमार्क ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। वह उबेर कप में खेलने के लिए सहमत थी लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ने कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं, न केवल स्वास्थ्य के लिहाज से बल्कि बैडमिंटन कोर्ट पर भी। उन्होंने यह भी कहा कि टोक्यो ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस साल जुलाई-अगस्त में आयोजित होने वाले ओलंपिक को कोविड-19 महामारी के कारण 2021 की गर्मियों तक स्थगित कर दिया गया है। सिंधु का कहना है कि मैं 2021 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार कर रही हूं। हम बहुत दूर नहीं हैं और यह एक विश्वव्यापी परिदृश्य है, इसलिए हर एथलीट एक ही दौर से गुजर रहा है और हम सभी को अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।

पहली जीत दर्ज करने उतरेंगे केरला और ईस्ट बंगाल

पणजी।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में रविवार को जीएमसी स्टेडियम में जब केरला ब्लास्टर्स का सामना ईस्ट बंगाल से होगा, तो दोनों टीमें सीजन की अपनी पहली जीत अपने नाम करना चाहेगी। खराब डिफेंस से जूझ रही दोनों टीमें इस सीजन में अब तक 10-10 गोल खा चुकी है। वहीं, आक्रमण करने में भी टीम पीछे चल रही है। केरला ने इस सीजन में सबसे कम शॉट (39) टारगेट पर लगाए हैं जबकि ईस्ट बंगाल के नाम दूसरा सबसे कम शॉट (48) है। अच्छी शुरुआत के बावजूद दोनों टीमें लय कायम रखने में विफल रही है और लगातार अंक गंवाते आई हैं। दोनों टीमों ने इन 10 गोलों में से आठ गोल दूसरे हाफ में खाए हैं। केरला के कोच किबु विकुना ने कहा, ÷प्रत्येक मैच एक नई चुनौती है। हम एक समान स्थिति में हैं। दोनों टीमें तीन अंक लेना चाहती है। हम अच्छी ट्रेनिंग कर रहे हैं और मैच के लिए तैयारी करने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम कल के मैच में अच्छा खेल सकते हैं। कभी कभी हमारे पास अच्छे परिणाम होते हैं और कभी नहीं। कुछ चीजें नहीं हो पाती है क्योंकि दूसरी टीमें भी प्लान के साथ खेलती हैं। केरला की तरह ही ईस्ट बंगाल भी बॉल पजेशन के बावजूद मौके नहीं बना पा रही है। केरला ने लीग में कम से कम 31 मौके बनाए हैं जबकि ईस्ट बंगाल ने 36 मौके। ईस्ट बंगाल ने अब तक केवल दो ही गोल किये हैं। लेकिन कोच रॉबी फॉलर इस चीज को लेकर आश्वस्त है कि उनकी टीम के अंदर बेहतर क्षमता है। ईस्ट बंगाल अब तक केवल एक ही बार क्लीन शीट हासिल कर पाई है। फॉलर ने कहा, हम मैच पर नियंत्रण और उसे जीतना चाहते हैं। मैच जीतने के लिए, एकाग्रता का स्तर थोड़ा बेहतर होना चाहिए। मेरे लिए फॉर्मेशन वास्तव में मायने नहीं रखता है। हम इस विश्वास के साथ खेले हैं कि हम मैच जीत सकते हैं। हमने बहुत सारी झलकियां दिखाई हैं, जिनका हम मुकाबला कर सकते हैं। हमारी और दूसरी टीमों के बीच ज्यादा कुछ अंतर नहीं है।

गावस्कर, सचिन, मांजरेकर ने भारतीय बल्लेबाजी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर, पूर्व लीजेंड क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और पूर्व खिलाड़ी संजय मांजरेकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दिन-रात्रि टेस्ट में मिली करारी हार के बाद भारतीय बल्लेबाजी पर सवाल उठाए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 53 रन की बढ़त हासिल की थी लेकिन दूसरी पारी में उसकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरफ बिखर गई और वह अपने टेस्ट क्रिकेट इतिहास का सबसे न्यूनतम 36 रन का स्कोर बनाकर ऑल आउट हुई। गावस्कर ने कहा कि किसी भी टीम के लिए न्यूनतम स्कोर खड़ा करना अच्छा नहीं होता। लेकिन इस गेंदबाजी आक्रमण में अन्य कोई भी टीम होती तो वह भी जल्द आउट हो जाती। हो सकता है वे 36 पर नहीं सिमटते और शायद 80-90 रन बना लेते। लेकिन जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने जिस तरह गेंदबाजी की वो बेहतरीन थी। ऐसी गेंदबाजी में भारतीय बल्लेबाजों को दोषी ठहराना सही नहीं होगा। सचिन ने ट्वीट कर कहा कि जिस तरह भारत ने पहली पारी में बल्लेबाजी और गेंदबाजी की वह अच्छा था और उस वक्त टीम की स्थिति सही थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन वापसी की। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। ऑस्ट्रेलिया को इस जीत के लिए बधाई। मांजरेकर ने कहा कि भारत ने अपने पिछले तीन टेस्ट मैचों में 165, 191, 242, 124, 244 और 36 रन बनाए हैं। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि भारत को अपने डिफेंसिव कौशल में सुधार लाने की जरुरत है।

सर्गियो पेरेज 2021 सत्र में रेड बुल के लिए रेसिंग करेंगे

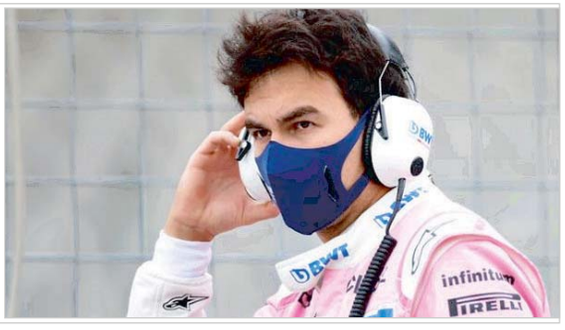

कीनेस (ब्रिटेन) । मेक्सिको के ड्राइवर सर्गियो पेरेज अगले सत्र में रेड बुल के लिए मैक्स वर्स्टापेन के साथ रेसिंग करेंगे। फार्मूला वन टीम ने यह घोषणा की। पेरेज टीम में एलेक्जैंडर एलबोन की जगह लेंगे। इस महीने बहरीन में साखिर ग्रां प्री जीतकर वह 50 साल में फार्मूला वन जीतने वाले मेक्सिको के पहले ड्राइवर बने। रेड बुल ने कहा कि इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने पेरेज को एलबोन की तुलना में पसंदीदा विकल्प बना दिया। एलबोन टीम के साथ परीक्षण और रिजर्व ड्राइवर बने रहेंगे। 30 साल के पेरेज का अनुबंध एक साल का है।

एएफसी एशियाई कप की मेजबानी मिलना भारत के लिए बड़ी बात होगी : सुनील छेत्री

नयी दिल्ली ।

भारत के सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल सुनील छेत्री ने कहा कि 2027 एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) कप की मेजबानी मिलना देश के लिए 'बहुत बड़ी' बात होगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को कहा कि वह 2027 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी का दावा पेश करेगा। ब्लू टाइगर्स (भारतीय फुटबॉल टीम) का दो एशियाई कप (2011 और 2019) में नेतृत्व कर चुके छेत्री ने कहा कि यह फुटबॉल के प्रशंसको के लिए 'सर्वश्रेष्ठ उपहार' की तरह होगा। छेत्री ने कहा- अपने देश के लिए खेलने से बड़ा कुछ भी नहीं है और हमारे देश के लिए एएफसी एशियाई कप 2027 की मेजबानी से बड़ा कोई सम्मान नहीं होगा। मुझे लगता है कि यह देश में प्रशंसकों और सभी के लिए सबसे अच्छा उपहार होगा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में दूसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने कहा- हमने भारत में 2017 में फीफा अंडर -17 (पुरुष) विश्व कप की मेजबानी की है। यह काफी बड़ी सफलता थी और आप इस टूर्नामेंट से निकलने वाली प्रतिभाओं को देख सकते हैं। हम 2022 में फीफा अंडर -17 महिला विश्व कप की मेजबानी करेंगे। मैं बेसब्री से उसका इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, '' एशियाई कप 2027 की मेजबानी हासिल करना और एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना बड़ी बात होगी। मैं एआईएफएफ को शुभकामनाएं देता हूं और मुझे आशा है कि हम इसमें सफल रहेंगे। स्पाइडर मैन के नाम से पहचाने जाने वाले राष्ट्रीय टीम के गोलकीपर सुब्रत पॉल ने कहा कि भारत ऐसे टूर्नामेंटों की मेजबानी और 'वैश्विक फुटबॉल स्थल' बनने को तैयार है।

बेंगलुरू में आइडल आकाशदीप सिंह के साथ खेलने को उत्सुक हूं : सुदीप चिरमको

नई दिल्ली । ओडिशा के सुदीप चिरमको भारतीय पुरुष हॉकी टीम के आकाशदीप सिंह को आइडल मानते हैं। उनका कहना है कि वह एक दिन इस अनुभवी फॉरवर्ड के साथ खेलने की उम्मीद करते हैं। सुदीप ने कहा- मुझे लगता है कि मैं जिस क्षेत्र में खेलता हूं, वह आकाशदीप सिंह की सीनियर टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वह हमेशा गेंद के साथ बहुत तेज होते हैं और उसकी स्थिति और ऑफ-द-बॉल रन हमेशा टीम के लिए उपयोगी होते हैं। इसीलिए मैं हमेशा उनपर कड़ी नजर रखता हूं और मैं आशा करता हूं कि एक दिन भारतीय टीम के लिए उसके साथ खेलने में सक्षम हूंगा। सुदीप वर्तमान में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के राष्ट्रीय शिविर के लिए बेंगलुरु के साई सेंटर में है। अर्जेंटीना में 2018 में आयोजित तीसरे युवा ओलंपिक खेलों में सिल्वर मेडल का विजेता चिरमाको एक त्वरित और गतिशील युवा फॉरवर्ड है, जिसके लिए लक्ष्यों को भेदना एक आदत है। एक खिलाड़ी है जो अपने माता-पिता को गर्व करने के लिए उत्सुक है। चिरमको ने कहा- मैं एक ऐसे क्षेत्र से आता हूं, जो अपनी हॉकी के लिए जाना जाता है। यहां के कई खिलाड़ियों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है और मैं राष्ट्रीय टीम के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करता हूं। सुदीप ने 2018 में स्पेन में आयोजित 8-नेशंस इंविटेशनल टूर्नामेंट में भारत के लिए अपनी जूनियर टीम की शुरुआत की थी। 2019 में जोहोर कप जीतने वाली टीम में भी वह थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सनी लियोनी ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सनी लियोनी एक हॉट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

इन तस्वीरों में सनी लियोनी ने व्हाइट एंड ब्लैक कलर की गाउन पहन रखी है, जिसमें उनका फिगर एकदम परफेक्ट दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन देते हुए लिखा, 'इट योर हर्ट आउट बेबी।'

सनी लियोनी की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। वहीं उनके पति डेनियल ने भी दिल वाली इमोजी पोस्ट की।

सोशल मीडिया पर सनी लियोनी की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है, सनी के हजारों फैंस का उनकी तस्वीरों पर जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिलता है।

लॉकडाउन के दौरान सनी लियोनी ने अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताया। अभिनेत्री लंबे इंतजार के बाद सेट पर वापस आकर काफी खुश हैं। सनी हाल ही में लॉस एंजेलिस से अपने पति और बच्चों के साथ वापस मुंबई आ गई हैं। फिलहाल वह हॉरर कॉमेडी फिल्म 'कोका कोला' की शूटिंग कर रही हैं।

सनी लियोनी एक वेब सीरीज के लिए भी तैयार हैं और एक होस्ट के रूप में स्प्लिट्सविला के 13 वें सीजन के लिए शूटिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सनी लियोनी फिल्म 'द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव' में मराठी मुलगी के किरदार में नजर आएगी।

अस्पताल से घर पहुंचे रेमो डिसूज़ा, हुआ जोरदार स्वागत

मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा को बीते दिनों हार्ट अटैक आने के बाद मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनको अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। रेमो डिसूजा पत्नी लिजेल के साथ शुक्रवार की दोपहर घर पहुंचे हैं। यह खबर खुद रेमो ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

रेमो ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए खुद बताया है कि अब वे ठीक हैं। उन्होंने अपने तमाम फैंस का भी शुक्रिया अदा किया है रेमो ने एक स्लो मोशन वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रेमो का जोरदार अंदाज में स्वागत किया गया है। कई सारे गुब्बारों के जरिए उनका वेलकम हुआ है।

इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ ही उन्होंने लिखा, 'आप सभी के प्यार, प्रार्थनाओं और आशीर्वाद के लिए शुक्रिया, मैं वापस आ गया हूं। इस खूबसूरत स्वागत के लिए शुक्रिया गैब्रिएल डिसूजा, ऐडोनिस और एडी रॉकवुड और मेरे सभी दोस्तों को शुक्रिया।'

रेमो बॉलीवुड के टॉप कोरियोग्राफर्स में से एक हैं। उन्होंने कांटे, धूम, रॉक ऑन, ये जवानी है दीवानी, बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्मों में कोरियोग्राफी की है। इसके अलावा उन्होंने फालतू, एबीसीडी, एबीसीडी 2, स्ट्रीट डांसर 3डी जैसी फिल्में भी बनाई हैं।

कोरोना संक्रमण से मुक्त हुई कृति सेनन, 14 दिन बाद कोविड-19 रिपोर्ट आयी नेगिटिव

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपडेट किया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। कृति अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के लिए चंडीगढ़ गयी थी। जहां से लौटने के बाद उन्होंने टेस्ट करवाया जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। कृति ने घर में ही खुद को क्वारंटाइन किया था। अब 14 दिन बाद कृति ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा कोविड़ रिपोर्ट के बारे में बात करते हुए सूचित किया है कि वह कोविड 19 नेगिटिव हो गयी हैं।

कृति सनोन ने ट्विटर पर इसका खुलासा किया। उन्होंने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं दीं और उनके डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ को ऐसे कठिन समय में उनकी मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, 'सभी को सूचित करने में खुशी हो रही कि मैंने आखिरकार कोविड-19 के लिए नकारात्मक परीक्षण किया है! बीएमसीअधिकारियों के लिए एक बड़ा धन्यवाद, आदरणीय सहायक आयुक्त श्री विश्वास मटे और मेरे डॉक्टर को हर संभव सहायता के लिए धन्यवाद। आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद।

तीसरे पर्दे पर चमक रहे हैं सैफ अली खान, सेक्रेड गेम्स के बाद अब 'तांडव' का शोर

सैफ अली खान को बॉलीवुड फिल्में करके वो तारीफ नहीं मिली जिसके वो हकदार थे। कुछ समय पर्दे से दूरी बनाने के बाद सैफ अली खान ने तीसरे पर्दे पर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स से एंट्री की। सैफ के लिए ये ब्रेक काफी अच्छा रहा क्योंकि सेक्रेड गेम्स से सैफ ने काफी दमदार वापसी की। सैफ की पुरानी एक्टिंग के मुकाबले सेक्रेड गेम्स में उनकी एक्टिंग काफी अच्छी थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड का कूल बॉय बनने वाली अपनी इमेज को तोड़ा और फिल्म तान्हा जी में नाकारात्मक रोल में नजर आये। फिल्म 2020 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनीं। फिल्म में अजय देवगन को सैफ ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने उदयभान सिंह का किरदार बहुत ही उम्दा निभाया। इससे पहले उन्होंने जवानी जानेमन में भी अच्छा काम किया था। अब सैफ अली खान को लेकर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर शोर हैं। सैफ अली खान की नयी वेब सीरीज 'तांडव' 15 जनवरी तो अमेजन प्राइम पर रिलीज होने वाली है। वेब सीरीज का टीजर रिलीज किया गया है जिसे काफी पसंद किया गया। सैफ को इस टीजर में नये अंदाज में देखा जा रहा है। सैफ इस बार तीसरे पर्दे पर राजनेता के रुप में नजर आने वाले हैं।

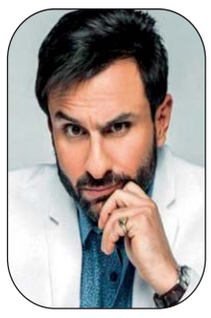

रूसो ब्रदर्स की 'द ग्रे मैन' में हुई धनुष की एंट्री, क्रिस इवांस और रायन गोस्लिंग के साथ आएंगे नजर

साउथ स्टार धनुष के हाथ हाल ही में एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। उन्हें जल्द ही नेटफ्लिक्स की अगली स्पाई थ्रिलर फिल्म 'द ग्रे मैन' में देखा जाने वाला है। इसका निर्देशन 'एवेंजर्स एंडगेम' फेम डायरेक्टर रूसो ब्रदर्स एंथनी और जो रूसो करेंगे।

इस फिल्म का नाम 'द ग्रे मैन' है और बताया जा रहा है कि यह नेटफ्लिक्स की अभी तक की सबसे महंगी फिल्म है। यह फिल्म 2009 में लॉन्च हुई मार्क ग्रीनी की इसी नाम से लिखी गई नॉवेल पर आधारित है। इस फिल्म में कैप्टेन अमेरिका क्रिस इवांस, हॉलीवुड स्टार रायन गोस्लिंग और एना डे मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

खबरों के अनुसार फिल्म में एक किलर और पूर्व ष्ट्ठ ऑपरेटिव कोर्ट जेंट्री की कहानी दर्शकों के सामने पेश की जाएगी। फिल्म में क्रिस इवांस को लॉयस हैनसन के किरदार में देखा जाएगा। फिलहाल इस बात की कोई जानकारी नहीं मिली है कि फिल्म में धनुष को किस किरदार में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी जो और एंथनी ने 'एवेंजर्स एंडगेम' के स्क्रीन राइटर क्रिस्टोफर मार्कस और स्टीफन मैकफीली के साथ मिलकर लिखी है। फिल्म की शूटिंग जनवरी में लॉस एंजिल्स में शुरू की जाएगी। यह धनुष का दूसरा हॉलीवुड प्रोजेक्ट है। इससे पहले वह 2018 में केन स्कॉट के निर्देशन में बनी फिल्म 'द एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जर्नी ऑफ फकीर' में लीड रोल में दिखे थे।

बता दें कि धनुष ने 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'रांझणा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अपनी पहली ही हिन्दी फिल्म से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। वह जल्द ही अक्षय कुमार और सारा अली खान के साथ फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आने वाले हैं।

मजदूरों के मसीहा बने सोनू सूद अब फिल्मों में नहीं बनेंगे विलेन

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोनावायरस की वजह से लगे लॉकडाउन के बाद से ही मजदूरों और जरूरमंदों की हर तरह से मदद कर रहे हैं। उन्हें मजदूरों के मसीहा के नाम से भी पुकारा जाने लगा है। पर्दे पर अक्सर विलेन के रोल में नजर आने वाले सोनू सूद असल जिंदगी में हीरो बनकर सामने आए हैं।

अब अभिनेता ने अपनी फिल्मों के लिए भी बड़ा फैसला लिया है। कोरोना के मुश्किल वक्त में सोनू ने जरूरतमंद लोगों की हर तरह से मदद की है। ऐसे में उनके चाहने वालों ने उन्हें 'मसीहा' नाम दिया है। जिसका असर उनकी प्रोफेशनल जिंदगी पर भी काफी पड़ा है। दरअसल, सोनू कुछ समय से संतोष श्रीनिवास के निर्देशन में बन रही तेलुगू फिल्म 'Alludu Adhurs' को लेकर चर्चा में हैं। अब लोगों के बीच बनी सोनू की छवि को देखते हुए फिल्म में कई बदलाव किए गए हैं।

खबरों के अनुसार समाज में आज सोनू सूद की छवि के कारण मेकर्स ने खासतौर पर उनके लिए फिल्म में दो गानें भी जोड़े हैं। इसके अलावा पूरे प्रोजेक्ट में भी कई बदलाव किए गए हैं। कई सीन्स दोबारा लिखे और शूट किए जा रहे हैं। मेकर्स का कहना है कि सोनू की छवि का फिल्म में भी ध्यान रखना होगा, वरना दर्शक नाराज हो जाएंगे।

सोनू सूद का भी कहना है कि कुछ समय में उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें मिलने वाले किरदारों में भी बदलाव हुए। पिछले एक साल में मेरी जिंदगी में काफी कुछ बदल गया। जहां तक फिल्मों की बात है अब मैं विलेन का किरदार नहीं करुंगा। अब मैं सिर्फ सकारात्मक किरदार ही निभाऊंगा। अब मुझे हर साल कम से कम दो फिल्मों के लिए वक्त निकालना है।

सोनू ने कुछ समय पहले कहा था कि अब उन्हें अच्छे रोल मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे जैसे किरदार मिल रहे हैं वह बहुत अलग हैं। मुझे रियल लाइफ हीरो के किरदार मिल रहे हैं। मैंने अपनी जिंदगी में जो भी किया उसे भी स्क्रिप्ट में उतारने की कोशिश की जा रही है, जो कि मेरे लिए अलग अनुभव है।

सोनू सूद के वर्क फ्रंट की बात करेंतो वे जल्द ही आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म 'पृथ्वीराज' में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा उन्हें तमिल फिल्म 'Thamezharasan' में भी देखा जाएगा। वहीं, वह अपनी किताब 'I Am No Messiah' को लेकर भी चर्चा में बने हैं। जिसमें उन्होंने अपना लॉकडाउन का पूरा सफर लिखा है।

सार समाचार

चीन में कोरोना योद्धाओं का टीकाकरण जल्द शुरू होगा, इन लोगों को दिए जाएंगे सबसे पहले टीके

बीजिंग।चीन स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन तथा सीमा नियंत्रण क्षेत्र में काम करने वालों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए टीका लगाने की जल्द शुरुआत करेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के उप मंत्री जेंग यिक्शिन ने कहा कि सरकार टीकाकरण में उन लोगों को प्राथमिकता दे रही है जिनके संक्रमित होने का जोखिम अधिक है। इनमें गोश्त और सी-फूड बाजारों में काम करने वाले लोग, बुजुर्ग तथा ऐसे लोग शामिल हैं जो अन्य रोगों से पहले से पीड़ित हैं। चीन ने कहा है कि उसने वायरस को फैलने से मोटे तौर पर रोक लिया है और शनिवार को संक्रमण के महज तीन नए मामले सामने आए हैं। चीन की कंपनियों द्वारा विकसित कोविड-19 टीकों को अभी तुर्की, इंडोनेशिया तथा ब्राजील में मंजूरी नहीं मिली है। रूस, मिस्र, मेक्सिको समेत एक दर्जन से अधिक देशों में निर्माता इन टीकों का परीक्षण कर रहे हैं। चीन की कंपनियों के टीकों के तीसरे चरण के परीक्षण के परिणामों की जानकारी अभी जाहिर नहीं की गई है। यहां टीके की बाजार संबंधी अंतिम अनुमति मिलने से पहले ही दस लाख से अधिक लोगों को टीके लग चुके हैं। चीन ने दो तरह के टीकों के आपात इस्तेमाल की अनुमति जुलाई में दी थी।

मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का मामला 22 अप्रैल तक चलेगा

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी और 2008 में मुंबई हमले के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण भारत में किए जाने संबंधी मामले की सुनवाई 22 अप्रैल तक चलने की बात कही है। भारत राणा (59) को भगोड़ा करार दे चुका है। भारत में उस पर मुंबई हमलों के संबंध में कई आपराधिक मामले चल रहे हैं। मुंबई हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से छह अमेरिकी नागरिक थे। राणा के प्रत्यर्पण के लिये भारत के अनुरोध के बाद 10 जून को लॉस एंजिलिस में उसे फिर से गिरफ्तार किया गया था। लॉस एंजिलिस की जिला अदालत के मजिस्ट्रेट जज जैकलिन चूलजियान ने 17 दिसंबर के अपने आदेश में कहा, '' इस मामले में प्रत्यर्पण के संबंध में सुनवाई 22 अप्रैल 2021 को अपराह्न डेढ़ बजे तक जारी रहेगी।'' राणा पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी और लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली (60) का बचपन का दोस्त है। हेडली 2008 के मुंबई आंतकवादी हमले की साजिश रचने में शामिल था। वह सरकारी गवाह बन गया तथा हमले में अपनी भूमिका की वजह से अमेरिका में 35 साल की जेल की सजा काट रहा है। जज चूलजियान ने कहा कि राणा प्रत्यर्पण के खिलाफ एक फरवरी तक ही याचिका दाखिल करेगा। अमेरिकी सरकार राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने का समर्थन कर रही है और उसके पास जवाब देने के लिए 22 मार्च तक का समय है।जज ने 10 दिसंबर को राणा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि राणा ने 'अच्छा जमानत पैकेज' पेश किया और देश से भागने के खतरे को उल्लेखनीय रूप से कम करने वाली शर्तों को गिनवाया लेकिन अदालत का यह मानना है कि उसने भागने के खतरे की शंका को दूर नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की जनगणना योजना को चुनौती को अपरिपक्व करार दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने देश में अवैध रूप से रह रहे लोगों को जनसंख्या गणना से बाहर रखने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को दी गयी चुनौती को अपरिपक्व करार देकर खारिज कर दिया। इस आंकड़े का उपयोग प्रतिनिधि सभा में सीटों के आवंटन में किया जाता है। लेकिन शुक्रवार का अदालती फैसला इस विषय पर अंतिम फैसला नहीं है और यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप अगले महीने पद छोड़ने से पहले जनगणना ब्यूरो से अंतिम आंकड़ा प्राप्त करेंगे या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रंप की योजना की वैधता पर व्यवस्था देना बहुत जल्दबाजी होगी क्योंकि यह अबतक स्पष्ट नहीं है कि वह कितने लोगों को उससे बाहर रखना चाहेंगे और यह भी प्रतिनिधि सभा की सीटों के बंटवारे पर उससे असर पड़ेगा या नहीं।

नवाज शरीफ के अच्छे दिन खत्म! इमरान सरकार ने ब्रिटेन से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने ब्रिटेन के साथ प्रत्यर्पण संधि करने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे ब्रिटेन द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पाकिस्तान को सौंपने का रास्ता साफ होगा। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने लंदन में निर्वासन में रहने वाले शरीफ को भ्रष्टाचार के अतिरिक्त आरोपों का सामना करने के लिए स्वदेश लौटने में विफल रहने पर कानूनी रूप से भगोड़ा घोषित कर दिया था।
सूचना मंत्री शिबली फ़राज़ ने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह ब्रिटिश अधिकारियों की ज़िम्मेदारी है कि वे शरीफ़ जैसे सजायाफ्ता अपराधियों को वहां न रहने दें। शिबली ने साक्षात्कार में कहा, शरीफ को वापस लाने के लिए हम कोशिश कर रहे हैं, हमने कोशिश की है और हम कोशिश करेंगे।

लंदन में भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की संपत्ति से कर्ज वसूली चाहते हैं भारतीय बैंक

लंदन। (एजेंसी)।

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ बैंक्रप्सी आवेदन पर सुनवाई के लिए भारतीय बैंकों ने लंदन में हाई कोर्ट का रुख किया है। माल्या की बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस को दिए कर्ज की वसूली के लिए भारतीय स्टेट बैंक (स्त्रब्बू) की अगुआई में भारतीय बैंकों के कंसोर्टियम ने याचिका दी है।

चीफ इंसॉल्वेंसी एंड कंपनीज कोर्ट (आइसीसी) जज माइकल ब्रिग्स के समक्ष सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने विशेषज्ञ गवाहों के तौर पर भारतीय सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को पेश किया। बैंकों ने कहा कि उन्हें इस मामले में भारतीय परिसंपत्तियों पर दी गई सिक्योरिटी को छोड़ने का अधिकार है। सिक्योरिटी छोड़ने के बाद बैंक लंदन में माल्या की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकेंगे। वहीं माल्या के वकील की दलील है कि भारत में सरकारी बैंकों का पैसा निजी नहीं, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति है। ऐसे में उन्हें सिक्योरिटी छोड़ने का अधिकार नहीं है। बैंकों की ओर से बैरिस्टर मार्सिया शेकरडेमियन ने कहा, 'एक वाणिज्यिक इकाई होने के नाते यह बैंकों का अधिकार है कि वे अपने पास रखी गई सिक्योरिटी को लेकर क्या फैसला लेते हैं।' इस मामले में मार्सिया ने वीडियो लिंक के जरिये माल्या की ओर से पेश हुए रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा सवाल पूछे। जस्टिस वर्मा का कहना है कि भारतीय बैंक अपनी सिक्योरिटी छोड़कर ब्रिटिश कानून के हिसाब से बैंक्रप्सी ऑर्डर के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। वहीं बैंकों की तरफ से रिटायर्ड जस्टिस गोपाला गौड़ा ने कहा कि अपना बकाया वसूलने के लिए बैंकों के पास सिक्योरिटी छोड़ने का पूरा अधिकार है।

सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों के बीच विवाद की स्थिति भी बन गई थी। अब मामले की सुनवाई नए साल में होगी। सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

ब्रिटेन में जमानत पर चल रहा है विजय माल्या

माल्या की ओर से बैरिस्टर फिलिप मार्शल ने फ्रांस में एक संपत्ति की बिक्री से मिले फंड के इस्तेमाल की अनुमति भी मांगी। अभी यह फंड कोर्ट के अधिकार में है। मार्शल ने कहा कि माल्या के पास अब सुनवाई की फीस चुकाने के लिए पैसा नहीं है। आय का अन्य स्रोत भी उनके पास नहीं रह गया है। फिलहाल माल्या ब्रिटेन में जमानत पर चल रहा है। धोखाधड़ी एवं मनी लॉड्रिंग के मामले में भारत सरकार ब्रिटेन से उसके प्रत्यर्पण के लिए बात कर रही है। माल्या पर भारतीय बैंकों का नौ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है।

इन बैंकों ने दी है याचिका

एसबीआइ की अगुआई में कुल 13 भारतीय बैंकों ने माल्या के खिलाफ याचिका दी है। इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, कॉरपोरेशन बैंक, फेडरल बैंक, आइडीबीआइ बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंका ऑफ मैसूर, यूको बैंक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और जेएम फाइनेंशियल एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

बौखलाए इमरान ने विपक्षी नेताओं को फंसाने का दांव चला, फजलुर रहमान की संपत्तियों की शुरू कराई जांच

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान सरकार ने विपक्षी गठबंधन पीडीएम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के खिलाफ उनकी आय और चल-अचल संपत्ति की जांच शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि कुछ अन्य नेताओं को भी सरकारी जांच में घेरा जाएगा। इधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सफाई दी है कि वह सेना की कठपुतली नहीं हैं, सेना उनके अधीन है। 11 विपक्षी दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की लगातार छह रैलियों में जबर्दस्त भीड़ जुटने से इमरान सरकार बौखला गई है।

एनएबी ने शुरू की जांच

पीडीएम प्रमुख फजलुर रहमान के खिलाफ राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने जांच शुरू कर दी है। एनएबी ने रहमान से 28 दिसंबर तक उनकी आय, चल-अचल संपत्ति, पैतृक संपत्ति के बारे में पूरी जानकारी दिए जाने का नोटिस भेजा है। उनसे बैंक अकाउंट, आय के स्त्रोत और बेची गई संपत्तियों का ब्योरा भी मांगा है। एनएबी फजलुर रहमान की 64 कनाल सरकारी जमीन की भी जांच कर रही है। यह जमीन पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के कार्यकाल में दी गई थी। रहमान पर आरोप है कि उन्होंने महंगी जमीन को सस्ती दर पर ले लिया था।

ईयू की रिपोर्ट बताकर झूठ फैला रहा है पाकिस्तान

समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के नेता नासिर अजीज खान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सरकार यूरोपियन यूनियन (ईयू) से मिलते-जुलते नाम के एक एनजीओ की रिपोर्ट से देश में झूठ फैला रही है। अजीज ने बताया कि ईयू डिसइंफो लैब नाम से एक एनजीओ संगठन है। इसकी एक रिपोर्ट में भारत के बारे में अनर्गल प्रचार है। इस रिपोर्ट को पाकिस्तान सरकार यूरोपियन यूनियन की रिपोर्ट बताकर प्रोपैगैंडा कर रही है और वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान बंटा रही है।

नवाज पर भी शिकंजा कसने की तैयारी

इतना ही नहीं इमरान सरकार ने नवाज शरीफ के प्रत्यर्पण के लिए भी ब्रिटेन के साथ कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री शिबली फराज ने कहा कि इस प्रक्रिया के शुरू होने के बाद ब्रिटेन द्वारा नवाज को लाने का रास्ता साफ होगा। मालूम हो कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ इन दिनों लंदन में निर्वासिन में रहने को मजबूर हैं। इसी महीने पाकिस्तान के एक कोर्ट ने उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने के लिए स्वदेश लौटने में विफल रहने पर कानूनी तौर पर भगोड़ा घोषित कर दिया था।

अमेरिका ने चीन पर डब्ल्यूएचओ की जांच में 'बाधा' डालने का लगाया आरोप, टीकों पर खड़े किए सवाल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे चीन से कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के बारे में पारदर्शिता की मांग करें। अमेरिका का आरोप है कि वुहान शहर में खतरनाक वायरस की उत्पत्ति के संबंध में चीन विश्व स्वास्थ्य संगठन की जांच में बाधा डाल रहा है। अमेरिका ने चीन के टीकों पर भी सवाल खड़े किये हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,74,42,100 से ज्यादा मामले हैं और 3,13,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को कहा, ''कोरोना वायरस का पता लगने के करीब एक साल बाद भी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी वायरस के संबंध में गलत जानकारी दे रही है और इस वायरस की उत्पत्ति और प्रसार के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन की जांच में बाधा डाल रही है।'' उन्होने कहा कि चीन टीकों की बिक्री भी कर रहा है जबकि सुरक्षा और उनके प्रभावी होने के संबंध में अनिवार्य आंकड़ों का पता नहीं

है क्योंकि क्लीनिकल परीक्षण के दौरान पारदर्शिता नहीं बरती गई। उन्होंने कि चीनी सरकार के इन दोनों कदमों से चीन और दुनिया भर के नागरिकों के लिए खतरा पैदा होता है।

पोम्पिओ ने कहा कि दुनिया के देशों को चीन से वायरस की उत्पत्ति और महामारी के प्रसार के संबंध में पारदर्शिता बरतने की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''महामारी महज संयोग नहीं है।'' इसी बीच अमेरिका ने बृहस्पतिवार को कुछ खास प्रतिष्ठानों पर नए तरह के प्रतिबंध लगाते और कहा कि इनकी गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति हितों को प्रभावित करती हैं। वाणिज्य विभाग ने 59 चीनी प्रतिष्ठानों को निर्यात नियंत्रण प्रतिष्ठान सूची में शामिल किया है।

कोरोना संक्रमित फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने शेयर की अपनी एक वीडियो, जानिए क्या कहा

पेरिस। (एजेंसी)।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने खुद के कोरोना संक्रमित होने के लिये शुक्रवार को लापरवाही और अपनी खराब किस्मत को दोषी ठहराया। उन्होंने देशवासियों से अपनी सुरक्षा करने का आग्रह किया। मैक्रों के आलोचकों कहना है कि उन्होंने संक्रमण से बचाव में लापरवाहियां बरतीं, जिसमें लोगों से हाथ मिलाना और बीते सप्ताह कई बार सामूहिक रूप से भोजन किया जाना शामिल हैं। मैक्रों ने शुक्रवार को एक वीडियो साझा की, जिसमें उन्होंने कहा उन्हें सिरदर्द, थकान और सूखी खांसी हो रही है। उन्होंने अपने स्वास्थ्य के बारे में रोजाना जानकारी देने की बात कही। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस की चपेट में आ गए थे। मैक्रों (42) ने कहा, मैं ठीक हो रहा हूं।

पिछले सप्ताह यूरोपीय संघ के सम्मेलन के दौरान मैक्रों के साथ समय बिताने वाले स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री इगोर मैटोविक भी शुक्रवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को मैक्रों से फोन पर बात कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। फ्रांस में मैक्रों के कोरोना वायरस की चपेट में आने की आलोचना हो रही है। कहा जा रहा है कि उन्होंने ऐसे समय में लापरवाहियां बरती हैं, जब देश में कोविड-19 मामलों में फिर से उछाल देखा जा रहा है और डॉक्टर लोगों के ऐहतियात बरतने की सलाह दे रहे हैं। मैक्रों ने सोमवार को आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन के प्रमुख एंजेल गुरिया से बैठक के दौरान हाथ मिलाया था और गले भी मिले था। हालांकि दोनों ने मास्क पहन रखे थे, लेकिन मैक्रों के कार्यालय ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि यह एक गलती थी। मैक्रों ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि उन्हें अधिक ऐहतियात बरतना चाहिये था और वह दुर्भाग्य से महामारी की चपेट में आ गए।

इमरान खान का बड़ा बयान, कहा- पाकिस्तान की सेना मेरे अधीन करती है काम

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की राजनीति और चुनावों में शक्तिशाली सेना के हस्तक्षेप के विपक्ष के आरोपों के बीच प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि सेना एक सरकारी संस्था है जो उनके अधीन काम करती है। पाकिस्तान में 11 विपक्षी दलों का गठबंधन 'पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट' (पीडीएम) सितंबर में अपने गठन के बाद से खान के खिलाफ बड़ी रैलियां आयोजित कर रहा है और राजनीति में सेना के दखल का भी आरोप लगा रहा है। पीडीएम पाकिस्तान की सेना पर 2018 में चुनाव में धांधली के माध्यम से 'कठपुतली' प्रधानमंत्री बनाने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान में लंबे समय तक शासन करने वाली सेना का सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में प्रभाव रहा है। हालांकि सेना ने देश की राजनीति में दखल की बात से इनकार किया है।

खान ने भी इस बात से इनकार किया है कि सेना ने 2018 के चुनाव में उन्हें जिताने में मदद की। विपक्षी दलों ने सोमवार को 'लाहौर घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर किये, जिसके अनुसार सैन्य तंत्र ने 2018 के चुनाव में जनादेश को प्रभावित किया और जनता पर एक 'अक्षम' सरकार को लाकर बैठा दिया। खान (68) ने शुक्रवार को एक टेलीविजन चैनल को दिये साक्षात्कार में इन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनके पास वास्तविक अधिकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना एक सरकारी संस्था है जो उनके अधीन काम करती है।

कोवैक्स कराएगी 190 देशों को कोविड-19 टीकों की 200 करोड़ खुराक उपलब्ध

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

दुनियाभर में कोविड-19 टीका बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो सके, इसके लिए वैश्विक टीका साझेदारी पहल कोवैक्स ने कोविड-19 टीकों की 200 करोड़ खुराक खरीदने की व्यवस्था की है। इसके तहत कोवैक्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्रेजेनेका कंपनी द्वारा बनाए गए 20 करोड़ टीके खरीदेगी, जिसके लिये उसने टीके बनाने वाली संस्थाओं गावी, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बिल ऐंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ समझौता किया है। कोवैक्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने 190 देशों के अनुरोध पर दुनियाभर में कोविड-19 टीका बनाने वाली कंपनियों और संस्थाओं से करार किया है। कोवैक्स पहल की शुरुआत अमीर या गरीब सभी देशों मेंतेजी से कोरोना वायरस टीके उपलब्ध कराने के लिए की गई है।

इसके तहत 2021 में दुनिया की कमजोर और मध्यम अर्थव्यवस्था वाले 92 देशों को 130 करोड़ टीके उपलब्ध कराए जाएंगे।। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निदेशक टेड्रोस अदानोम गेब्रेयेसस ने पत्रकारों से कहा, यह वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ी खुशखबरी और बड़ी सफलता है। कोवैक्स का उद्देश्य वर्ष 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और विभिन्न देशों के नियामक निकायों द्वारा मान्यताप्राप्त कोविड-19 के 200 करोड़ सुरक्षित और असरदार टीके को दुनियाभर में पहुंचाना है। इस मुहिम के तहत देशों को उनकी जनसंख्या के हिसाब से टीके उपलब्ध कराए जाएंगे।इसते तहत पहले इन देशों के स्वास्थ्य कर्मियों को टीके दिये जाएंगे। इसके बाद बुजुर्गों और संक्रमण के शिकार होने वाले समूहों को टीका लगाया जाएगा।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ आदर पूनावाला ने कहा कि उनकी कंपनी ने कोवैक्स को 10 करोड़ नोवावैक्स टीके और 10 करोड़ एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड टीके मुहैया कराने के लिये करार किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी जरूरत पड़ने पर कोवैक्स को 90 करोड़ टीके उपलब्ध कराएगी। पूनावाला ने कहा कि कोवैक्स की इस पहल से विश्व को कोरोना को हराने में मदद मिलेगी और इससे बिना किसी भेदभाव के लोगों तक टीके पहुंच सकेंगे। कोवैक्स को 2021 की पहली तिमाही में टीके की डिलिवरी शुरू हो जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के माता-पिता अपने बच्चों के साथ कलेक्टर ओफिस पहुंचे, स्कूल फीस निर्धारण के बावजूद अधिक शुल्क ले रहा है जिसके विरोध में यह प्रदर्शन किया

मृत कुंज पक्षियों के साथ दो शिकारी धरे गए

गिर सोमनाथ जिले के उमरेठी गांव स्थित हिरण २ डैम पर कुंज पक्षियों का शिकार किया जा रहा है और वन विभाग घोर निंद्रा में है। कुछ युवकों की जागरूकता की वजह से कुंज पक्षियों के शिकार के मामले की खुलासा हुआ है। युवकों ने मृत कुंज पक्षियों के साथ दो शख्सों को पकड़कर वन विभाग को सौंप दिया। दरअसल गिर सोमनाथ जिले के सूत्रापाडा रोड पर साइड देने के मुद्दे युवकों और दो शख्सों के बीच तू तू मैं मैं हुई थी। उस दौरान युवकों को संदेह होने पर शख्सों की बोरी की तलाशी ली। जिसमें मरे हुए कुंज पक्षी मिले। मृत कुंज पक्षियों के मिलने के बाद युवकों ने दोनों शख्सों को दबोच लिया और वन विभागके हवाले कर दिया। इस घटना से साफ हो गया है कि वन विभाग की उदासीनता के कारण हिरण २ डैम क्षेत्र में कुंज पक्षियो का शिकारी बेखौफ होकर शिकार कर रहे हैं।

विडियो हुआ वायरल

सुरत के कतारगाम क्षेत्र में ट्राफिक क्रेन ने सोसायटी में खड़े हुए वाहन को उठा कर ले जाते हुए

कतारगाम में नंदू दोशी की वाडी सोसाइटी के अंदर खड़े वाहनों को ट्राफिक क्रेन द्वारा जब्त किया जा रहा है। जिससे सोसायटी के लोगो ने इस पर विरोध कर रहे हैं वीडियो वायरल हो रहा है।

सस्ती शराब के चक्कर में कानून के हत्थे चढ़ गया महाराष्ट्र का डॉक्टर दंपत्ति

क्रांति समय दैनिक

वलसाड सस्ती शराब की लालच में महाराष्ट्र के एक डॉक्टर दंपत्ति जेल की हवा खानी पड़ी। दमन से शराब के साथ महाराष्ट्र लौट रहे दंपत्ति को वलसाड की पारडी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रु ५७ हजार की शराब और कार समेत पुलिस ने १५.५७ लाख रुपए का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। दरअसल थर्टी फर्स्ट की पार्टियों से पहले बड़े पैमाने पर शराब की तस्करी की जाती है। शराब तस्करी पर नकेल कसने के लिए गुजरात पुलिस सतर्क है। केन्द्र शासित प्रदेश दमन से सटे वलसाड जिले की पारडी पुलिस पातलिया चेकपोस्ट के निकट वाहनों की जांच कर रही थी। उस वक्त महाराष्ट्र पासिंग की लक्जरी कार रोक पुलिस ने उसकी तलाशी ली। तलाशी में कार से महंगी ब्रांड की विदेशी शराब की कई बोतलें बरामद हुई। कार में सवार डॉक्टर दंपत्ति दीपक थोराट और उसकी पत्नी प्रिया थोराट महाराष्ट्र के नासिक के निवासी हैं और दमन घूमने आए थे। महाराष्ट्र के मुकाबले दमन में शराब सस्ती मिलती है। सस्ती की लालच में डॉक्टर दंपत्ति ने करीब ५७००० रुपए की विदेशी शराब खरीद कर महाराष्ट्र लौट रहे थ। लेकिन वलसाड पुलिस के हत्थे चढ़ गए और जेल की हवा खानी पड़ी। पुलिस ने रु ५७००० कीमत की विदेशी शराब और कार समेत रु १५.५७ लाख माल सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी ह।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

विजय रुपाणी की सरपंचों के साथ सीधे संवाद की नई पहल 'ग्राम विकास की बात, मुख्यमंत्री के साथ'

क्रांति समय दैनिक मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य के सरपंचों को 'मारुंगाम कोरोना मुक्तगाम' यानी मेरा गांव, कोरोना मुक्तगांव अभियान को सफल बनाकर जन जागरूकता के जरिए कोरोना संक्रमण से अपने गांव को मुक्तरखने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री निवास स्थान से सेटकॉम के जरिए 'ग्राम विकास की बात, मुख्यमंत्री के साथ' के नवीन दृष्टिकोण के अंतर्गत सरपंचों के साथ सहज संवाद किया। उन्होंने कहा कि 'कोरोना हारेगा, गुजरात जीतेगा' के ध्येय के साथ हमने कोरोना महामारी के समक्ष घुटने टेके बगैर संकट को अवसर में पलटने का जज्बा दिखाया है। मुख्यमंत्री ने सभी सरपंचों से कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग का यह अंतिम दौर है। अब हम किनारे पर पहुंच गए हैं और निकट भविष्य में ही कोरोना वैक्सीन के आने पर हम सभी कोरोना से सुरक्षित हो जाएंगे। इस संदर्भ में उन्होंने सरपंचों से कहा कि जिस तरह 'मेरा गांव कोरोना मुक्तगांव' का संकल्प आप सभी ने सतर्कता, जिम्मेदारी और सभी के सहयोग से पूरा किया है, उसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन सुलभ कराने की राज्य सरकार की व्यवस्था में भी सक्रिय रूप से सहभागी बने। रुपाणी ने साफ कहा कि जिस तरह चुनाव में पोलिंग बूथ होता है और पोलियो टीकाकरण के लिए भी बूथ बनाकर समाज के आखिरी व्यक्तिको भी शामिल कर लिया जाता है, उसी प्रकार कोरोना वैक्सीन के लिए भी ऐसे बूथ बनाकर सरपंच, पदाधिकारी और ग्रामीण सभी के सहयोग से कोरोना वैक्सीन का डोज अंतिम व्यक्तितक पहुंचाने का पारदर्शी और सुदृढ़ आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी आयोजन में यह कोरोना वैक्सीन जल्द से जल्द लोगों को मिले उसकी पूर्व तैयारियां की जा रही हैं। इस वैक्सीन को सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की पूरी सप्लाई चैन, वैक्सीन संग्रह और प्रिजर्वेशन के लिए कोल्ड स्टोरेज जैसी व्यवस्थाएं सरकार विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार की ओर से यह वैक्सीन ग्रामीण नागरिकों को मुहैया कराने के लिए ज्यादातर गांवों में ५० वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों का सर्वे शुरूहो गया है और सूची तैयार करने का काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन देने की कार्यवाही चरणबद्ध तरीके से शुरूकी जाएगी, जिसके अंतर्गत जैसे-जैसे वैक्सीन की खेप आते जाएगी, उस तरह से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। रुपाणी ने साफ कहा कि कोरोना वॉरियर्स के रूप में कार्यरत सरकारी और निजी डॉक्टरों, जनरल प्रैक्टीशनर, पैरामेडिकल स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, १०८ और १०४ हेल्पलाइन सेवा के स्टाफ को यह वैक्सीन पहले चरण में दी जाएगी। उसके बाद राजस्व, पुलिस और सफाई कर्मी जैसे वॉरियर को भी टीकाकरण में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ५० वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन देने के बाद ५० वर्ष से छोटी उम्र के ऐसे लोग जिन्हें कोई गंभीर बीमारी है उनकी भी अलग सूची बनाकर वैक्सीन दी जाएगी। कोरोना संक्रमण के खिलाफ सरकार के स्वास्थ्य संबंधी उपायों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने रेमडेसिविर और टोसिलिजुमैब जैसे महंगे इंजेक्शन कोरोना संक्रमित जरूरतमंदों को नि:शुल्क प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री राहत निधि से कुल १०८ करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि राज्यभर के १४७२ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ३६२ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा ९००० उप केंद्र सहित शहरी स्वास्थ केंद्र में कोरोना संक्रमण नियंत्रण संबंधित कार्य पिछले ८ महीने से 'कोरोना हारेगा, गुजरात जीतेगा' के लक्ष्य के साथ स्वास्थ्य कर्मी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव, खेती और गरीब सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्वास्थ्य कल्याण आयोजन के साथ 'सात पगला खेडूत कल्याण ना' यानी किसान कल्याण की दिशा में सात कदम योजना, कृषि उत्पादों का लाभकारी मूल्य, समर्थन मूल्य पर खरीदी, किसान सूर्योदय योजना और पशुपालकों के पशुओं की चिंता जैसे अनेक कल्याणकारी कदमों से ग्रामीण क्षेत्रों को समृद्ध बनाकर उसके आधार पर शहर, राज्य और देश की अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाने का यज्ञ शुरूकिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नल से जल' के अंतर्गत ८० फीसदी ग्रामीण घरों को कवर किया जा चुका है। डिजिटल सेवा सेतु और जलापूर्ति योजनाओं के कार्य आदि के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में 'आत्मा गांव की और सुविधा शहर की' संकल्पना को साकार किया है। इस अवसर पर उन्होंने महेसाणा के बेचराजी, कच्छ के रत्नापर, डांग के नडगचौड, बनासकांठा के थलवाड़ा, दाहोद के जेकोट, सूरत के सुवाली, जूनागढ़ के चणाका और सुरेन्द्रनगर के पादरी गांव के सरपंचों के साथ परस्पर संवाद कर उनके गांवों में कोरोना संक्रमण के विरुद्ध जन जागृति के उपायों, १४वें वित्त आयोग के तहत विकास कार्यों के लिए धन का सीधा आवंटन, सफाई, सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल सेवा सेतु के कार्यों की स्थिति का ब्यौरा हासिल किया। राज्य मंत्री जयद्रथसिंह परमार ने इस बात पर खुशी जताई कि मुख्यमंत्री के इस नवीन अभिगम से ग्रामीण स्तर के छोटे से छोटे सरपंच को भी गांव के विकास की बात को प्रस्तुत करने का अवसर मिला है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की सी प्लेन सेवा २७ दिसंबर से पुन:शुरू होगी

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद। देश के लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की स्मृति में गुजरात में मध्यवर्ती नर्मदा जिले के केवड़िया स्थित दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तथा अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट के बीच सी प्लेन सेवा २७ दिसंबर से दोबारा शुरूहोगी। इस सेवा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ३१ अक्टूबर को की थी।

इसके कुछ ही समय बाद इसे बंद कर दिया गया था क्योंकि इसके लिए इस्तेमाल होने वाले १८ सीटों वाले विमान को रखरखाव और मरम्मत आदि के लिए वापस मालदीव भेजा गया था। इसमें एक बार में १५ लोग यात्रा कर सकते हैं।

सेवा की संचालक स्पाइस जेट ने आज एक बयान में कहा कि यह फिर से २७ दिसंबर से शुरू होगी। रोज इसके दो फेरे होंगे। इसके लिए बुकिंग २० दिसंबर से शुरूहोगी।

प्रेम संबंध आगे बढाने से इंकार करने पर युवक ने प्रेमिका को सरेआम पीटा

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद शहर के रिवरफ्रंट पर एक युवक ने सरेआम प्रेमिका को पिटाई कर दी।

युवती ने प्रेम संबंध आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया था, जिससे गुस्साए युवक ने उसे १५ थप्पड़ जड़ दिए। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरूकी ह।

अहमदाबाद का साबरमती रिवरफ्रंट प्रेमी जोड़ों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह से देर शाम तक बड़ी संख्या में प्रेमी जोड़े घूमते नजर आते हैं। गुरुवार को रिवरफ्रंट पर विचित्र घटना सामने आई, जिसमें एक युवक ने सरेआम अपनी प्रेमी की पिटाई कर दी।

राजस्थान की मूल निवासी २४ वर्षीय एक युवती अहमदाबाद के शाहीबाग में रहती है और नरोडा जीआईडीसी क्षेत्र की एक बैंक में बतौर क्लर्क सेवारत है।

शाहीबाग में पीजी में रहनेवाली युवती के माता-पिता राजस्थान में रहते हैं। गुरुवार को बैंक से छूट कर युवती शाहीबाग स्थित अपने घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी।

उस वक्तमेम्को शाखा में काम करने वाला यशवंत राणा नामक युवक उसके पास पहुंच गया।

यशवंत और युवती के बीच काफी समय से प्रेम संबंध था। यशवंत को देख युवती उसकी बाइक पर बैठ गई और दोनों रिवरफ्रंट पहुंच गए। जहां युवती ने यशवंत से कहा कि वह उसके साथ प्रेम संबंध आगे नहीं बढ़ाना चाहती। इसी वजह से वह पिछले १५ दिनों से उसका फोन रिसीव नहीं कर रही थी। युवती के इतना कहते ही यशवंत भड़क गया और युवती के सरेआम पिटाई कर दी। जिससे युवती ने यशवंत राणा के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

अहमदाबाद होकर चलने वाली कुछ विशेष ट्रेनों के परिचालन समय में बदलाव

क्रांति समय दैनिक

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर चलने वाली कुछ स्पेशल ट्रेनों के परिचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1.ट्रेन संख्या 06507 जोधपुर – केएसआर बेंगलोर स्पेशल 24 दिसंबर 2020 से जोधपुर से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समय अनुसार 11:28 बजे पालनपुर, 12:38 बजे मेहसाणा, 14:00 बजे अहमदाबाद, 14:49 बजे नडियाद, 15:05 बजे आणंद, 15:50 बजे बड़ोदरा, 16:47 बजे भरूच, 18:02 बजे सूरत, 18:36 बजे नवसारी, 19:20 बजे वलसाड, 19:41 बजे वापी तथा 21:25 बजे वसई रोड पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 06508 केएसआर बेंगलुरू – जोधपुर स्पेशल 21 दिसंबर 2020 के एस आर बेंगलुरु से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समय अनुसार 22:40 बजे वसई रोड, 00:03 बजे वापी,00:29 वलसाड 01:02 बजे नवसारी, 01:36 बजे सूरत, 02:20 बजे भरूच, 03:12 बजे वडोदरा, 03:52 बजे आणंद, 04:08 बजे नडियाद, 05:50 बजे अहमदाबाद, 07:32 बजे महेसाणा तथा 09:03 बजे पालनपुर पहुंचेगी।

2. ट्रेन संख्या 06505 गांधीधाम– के एस आर बेंगलुरु एक्सप्रेस स्पेशल 22 दिसंबर 2020 से पश्चिम रेलवे पर संशोधित समय अनुसार गांधीधाम से 09:00 बजे चलकर 09:51 बजे सामाखियाली, 11:33 बजे धांगध्रा, 12:48 बजे विरमगाम, 14:00 बजे अहमदाबाद, 14:59 बजे नडियाद, 15:50 बजे वडोदरा, 16:54 बजे अंकलेश्वर, 21:25 बजे वसई रोड पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 06506 के एस आर बेंगलुरु – गांधीधाम एक्सप्रेस स्पेशल 19 दिसंबर से के एस आर बेंगलुरु से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 22:40 बजे बसई रोड,00.29 बजे वलसाड, 1:36 बजे सूरत,02:15 बजे अंकलेश्वर, 03:12 बजे वडोदरा, 04:08 बजे नडियाद, 05:50 बजे अहमदाबाद, 07:00 बजे विरमगाम, 08:01 बजे धांगध्रा, 09:49 बजे सामाखियाली तथा 11:00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी।

3. ट्रेन संख्या 06534 केएसआर बेंगलुरू – जोधपुर एक्सप्रेस स्पेशल 20 दिसंबर 2020 से के एस आर बेंगलुरु से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समय अनुसार 22:40 बजे वसई रोड 00:29 बजे वलसाड, 01:36 बजे सूरत, 03:12 बजे वडोदरा, 03:52 बजे आणंद, 05:50 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06533 जोधपुर – केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस स्पेशल 23 दिसम्बर 2020 से जोधपुर से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 14:00 बजे अहमदाबाद, 15:05 बजे आणंद, 15:50 बजे वडोदरा, 18:02 बजे सूरत, 19:20 बजे वलसाड, 21:25 बजे वसई रोड पहुंचेगी।

4. ट्रेन संख्या 06205 के एस आर बेंगलुरु – अजमेर एक्सप्रेस स्पेशल 25 दिसंबर 2020 से के एस आर बेंगलुरु से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 22:40 बजे वसई रोड, 00:03 बजे वापी, 00:29 बजे वलसाड, 01:36 बजे सूरत,03:12 बजे वडोदरा, 03:52 बजे आणंद, 04:08 बजे नडियाद, 05:50 बजे अहमदाबाद, 07:33 बजे महेसाणा 09:03 बजे पालनपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06206 अजमेर – के एस आर बेंगलुरु एक्सप्रेस स्पेशल 21 दिसंबर 2020 से अजमेर से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 11:28 बजे पालनपुर, 12:28 बजे महेसाणा, 14:00 बजे अहमदाबाद, 14:49 बजे नडियाद, 15:05 बजे आणंद, 15:50 बजे वडोदरा, 18:02 बजे सूरत, 19:20 बजे वलसाड, 19:41 बजे वापी तथा 21:25 बजे वसई रोड पहुंचेगी।

5. ट्रेन संख्या 06210 मैसूर – अजमेर एक्सप्रेस स्पेशल 22 दिसंबर 2020 से मैसूर से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 22:40 बजे वसई रोड, 00:03 बजे वापी, 00:29 बजे वलसाड, 01:36 बजे सूरत, 02:20 बजे भरूच, 03:12 बजे वडोदरा, 03:52 बजे आणंद, 04:08 बजे नडियाद, 05:50 बजे अहमदाबाद, 07:33 बजे महेसाणा, 09:03 बजे पालनपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06209 अजमेर – मैसूर एक्सप्रेस स्पेशल 20 दिसंबर से अजमेर से चलकर पश्चिम रेलवे पर संशोधित समयानुसार 11:28 बजे पालनपुर, 12:20 बजे महेसाणा, 14:00 बजे अहमदाबाद, 14:59 बजे नडियाद, 15:05 बजे आणंद, 15:50 बजे वडोदरा,16:47 बजे भरूच, 18:02 बजे सूरत, 19:20 बजे वलसाड, 19:41 बजे वापी तथा 21:25 बजे वसई रोड पहुंचेगी।

विशेष ट्रेनों के ठहरावों और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हनुमान बेनीवाल ने संसदीय समिति के सदस्य पद से दिया इस्तीफा, बोले- 26 दिसंबर को किसानों के साथ करेंगे कूच

जयपुर। राजग की घटक राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक व नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने किसान आंदोलन के समर्थन में व लोकहित के मुद्दों को लेकर संसद की तीन समितियों के सदस्य पद से त्याग पत्र देने की घोषणा की है। सांसद ने अपना त्यागपत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा है। बेनीवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 26 दिसंबर को वह दो लाख किसानों के साथ दिल्ली की ओर कूच करेंगे तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में बने रहने के बारे में भी फैसला उसी दिन होगा। बिरला को भेजे पत्र में बेनीवाल ने संसद की उद्योग संबंधी स्थायी समिति, याचिका समिति व पेट्रोलियम व गैस मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति से इस्तीफा देने बात की है। बेनीवाल के अनुसार उन्होंने सदस्य के रूप में जनहित से जुड़े अनेक मामलों को उठाया, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए वह किसान आंदोलन के समर्थन में व लोकहित के मुद्दों को लेकर संसद की तीन समितियों के सदस्य पद से त्याग पत्र दे रहे हैं। बेनीवाल ने यहां आरएलपी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद यह घोषणा की।

संघ विचारक एमजी वैद्य का 97 वर्ष की उम्र में निधन, स्पंदन अस्पताल में ली आखिरी सांस

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एमजी वैद्य का नागपुर में निधन हो गया है। वह 97 वर्ष के थे। मिली जानकारी के मुताबिक, एमजी वैद्य पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, जिसके चलते उन्हें नागपुर के स्पंदन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एमजी वैद्य के पोते विष्णु वैद्य ने बताया कि दादा जी का निधन शनिवार दोपहर साढ़ तीन बजे के आसपास हुआ। बता दें कि एमजी वैद्य कुछ वक्त पहले कोरोना वायरस संक्रमण के शिकार हुए थे। हालांकि, उन्होंने कोरोना संक्रमण को मात दे दी थी।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण का तीसरा दौर फिलहाल काबू में : अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,133 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 1.5 प्रतिशत से कम रह गई, जिससे प्रतीत होता है कि शहर में महामारी का तीसरा दौर फिलहाल काबू में है। केजरीवाल ने ऑनलाइन ब्रीफिंग के दौरान कहा, नवंबर में एक समय ऐसा था जब दिल्ली में नए मामलों की संख्या प्रतिदिन करीब 8,600 तक पहुंच गयी थी लेकिन तब भी चिंताजनक हालात नहीं थे। बिस्तर उपलब्ध थे। हम सभी ने मिलकर लड़ाई लड़ी। आज 1,133 नए मामले सामने आए हैं। आधिकारिक रिपोर्ट भी जल्द ही आ जाएगी। दिल्ली में 11 नवंबर को संक्रमण के सबसे अधिक 8,593 मामले सामने आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में हालात तेजी से सुधरे हैं। नवंबर की शुरुआत में तो दिल्ली में संक्रमण दर 15.26 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो कम होते-होते 1.3 प्रतिशत रह गई है। केजरीवाल ने कहा कि इससे प्रतीत होता है कि हम सभी मिलकर दिल्ली में महामारी के तीसरे दौर को नियंत्रण में ले आए हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर में उपचाराधीन रोगियों की संख्या करीब 45 हजार थी जो अब घटकर लगभग 12,000 रह गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन औसतन 90,000 जांचें की जा रही हैं। किसी ने हमें गलत तरीके से जांच की संख्या बढ़ाकर बताने की सलाह दी थी। मैंने कड़े आदेश जारी किये। मैं कह सकता हूं कि जांच के हमारे आंकड़े वास्तविक हैं।

भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने किसान आंदोलन का किया समर्थन, कही यह बात

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह ने केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसान आंदोलन का समर्थन दिया है। सिंह, स्वतंत्रता से पहले के दौर में किसानों के हितों के लिए लड़ने वाले सर छोटू राम के पौत्र हैं। उनके बेटे बृजेंद्र भाजपा के सांसद हैं। सिंह ने कहा कि किसानों के साथ खड़े होना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को इस बात का डर है कि नए कृषि कानूनों से उनकी आर्थिक अवस्था प्रभावित हो सकती है।
उन्होंने शुक्रवार को कहा, ''मैंने राजनीति में जो कुछ भी हासिल किया है वह संभव नहीं हो पाता यदि मैं सर छोटू राम का पोता नहीं होता।'' हरियाणा के प्रभावशाली जाट नेता सिंह ने कहा, ''इसलिए आज किसानों की लड़ाई में उनके साथ खड़े होना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। इसलिए मैंने इस लड़ाई को समर्थन देने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा कि वह और उनके समर्थक दिल्ली से लगने वाले हरियाणा के जिलों में सांकेतिक अनशन करेंगे। शुक्रवार को सिंह ने अपने समर्थकों के साथ रोहतक में चौधरी छोटू राम विचार मंच के बैनर तले धरना दिया था।

हम शांति चाहते हैं लेकिन भारत के आत्मसम्मान पर चोट बर्दाश्त नहीं करेंगे : राजनाथ सिंह

हैदराबाद। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि चीन के साथ सीमा गतिरोध से भारत जिस तरह से निपटा है, उसने साबित किया है कि भारत कमजोर नहीं है और सीमा पर उल्लंघन, आक्रामकता तथा किसी भी तरह की एकतरफा कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दे सकता है। इस गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में विश्वास रखता है लेकिन देश के आत्मसम्मान पर किसी भी तरह की चोट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सात महीने से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है।

हैदराबाद में डिंडीगुल वायुसैनिक अड्डे पर संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान ''चीन के रवैये ने उसके इरादों को जाहिर कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमने साबित किया है कि भारत कमजोर नहीं है। यह नया भारत है जो सीमा पर उल्लंघन, आक्रामकता तथा किसी भी तरह की एकतरफा कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दे सकता है।'' सिंह ने कहा कि भारत को कई देशों का समर्थन मिला है और उसकी सराहना भी हुई है। गतिरोध का हल निकालने के लिए कूटनीतिक एवं सैन्य स्तर पर हुई कई दौर की वार्ता का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''मैं दोहराना चाहता हूं कि हम संघर्ष नहीं, शांति चाहते हैं, लेकिन देश के आत्मसम्मान पर किसी भी तरह की चोट को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा कि देश किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है।

सिंह ने कहा कि पाकिस्तान सीमाओं पर छिटपुट संघर्षों को अंजाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि चार युद्धों में भारत से पराजित होने के बावजूद पड़ोसी देश आतंकवाद के जरिए ''छद्म युद्ध'' छेड़ रहा है, लेकिन सैन्य बल और पुलिस आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपट रहे हैं। पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादियों के शिविरों पर भारत के हवाई हमलों का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत न केवल देश के भीतर आतंकवाद से प्रभावी ढंग से मुकाबला कर रहा है बल्कि सीमाओं के बाहर जाकर भी कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया को भारत की सैन्य ताकत और आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत इरादों को दर्शाता है। मौजूदा समय के अनुसार युद्ध की रणनीतियों को बदलने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, सिंह ने कहा कि देश को न केवल सीमाओं और समुद्रों, बल्कि अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके लिए उसे तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए आपको खुद को लगातार अपडेट रखने की आवश्यकता है।''

उन्होंने कहा, ''भविष्य के युद्ध और बेहतरी के लिए यह आवश्यक है कि एक सैनिक के अलावा आपके अंदर एक विद्वान भी होना चाहिए।'' रक्षा मंत्री ने नये सैन्य अधिकारियों को खुद को सैन्य रणनीति और तकनीक के बारे में 'अपडेट' रखने के लिए कहा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भी ध्यान केन्द्रित करने को कहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने हाल ही में सशस्त्र बलों में स्वदेशीकरण को सशक्त बनाने और बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ हल्के लड़ाकू विमान (एसीए) तेजस को शामिल किया गया जबकि दूसरी ओर पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान राफेल को भी शामिल किया गया है। सिंह ने कहा कि सुधारों के रूप में रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाने, रक्षा विनिर्माण पर नई नीति और आयुध कारखानों के निगमीकरण समेत कई कदम उठाये गये हैं।

मोदी ने कहा- कृषि सुधारों का किसानों का मिलने लगा है लाभ, आत्मनिर्भर भारत बनाने में मदद करे उद्योग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन 24वें दिन में पहुंच जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि छह माह पहले कृषि क्षेत्र में जो सुधार किये गये उनका लाभ किसानों का मिलना शुरू हो गया है। उन्होंने उद्योग जगत से ग्रामीण भारत के उत्पादों को विश्व बाजार में पहुंचाने का आह्वान करते हुये कहा कि ''यदि गांवों में पैदा होने वाले जैविक, जड़ी बूटी और कृषि उत्पादों को बेहतर समर्थन मिले तो हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था बुलंदियों पर पहुंच सकती है।'' उद्योग मंडल एसोचैम के स्थापना सप्ताह कार्यक्रम को वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से आने वाले 27 साल के दौरान राष्ट्र निर्माण और आत्म निर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिये पूरी क्षमता के साथ जुटने को कहा। उन्होंने कहा कि ''आने वाले 27 साल के बाद 2047 में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो जायेंगे। ऐसे में हमें आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जितनी जल्दी हो सके हासिल करके दिखाना है। इसके लिये उद्योग जगत को भी पूरी क्षमता, प्रतिबद्धता और साहस के साथ आगे बढ़ना है।'' मोदी ने सरकार द्वाराविनिर्माण से लेकर कृषि और रम क्षेत्र में सरकार द्वारा किये गये सुधारों का जिक्र करते हुये कहा कि दुनिया में भारत को लेकर जितनी सकारात्मकता आज है इतनी पहले कभी नहीं थी। उनकी सरकार ने आर्थिक क्षेत्र में जितने भी सुधार किये हैं उसके बाद दुनिया के निवेशकों की धारणा बदली है। ''यही वजह है कि पहले जहां भारत के बारे में कहा जाता था कि ''व्हाई इंडिया (भारत में निवेश क्यों किया जाए)'' वहीं अब कहा जाता है कि ''व्हाई नॉट इंडिया (भारत में क्यों नहीं निवेश किया जाए)।''

मोदी ने कहा किभारत के बारे में पूरी दुनिया की सोच बदली है। उन्होंने कहा, ''कृषि क्षेत्र में छह माह पहले जो सुधार किये गये थे उनका लाभ किसानों को मिलने लगा है।'' हालांकि, इस विषय में उन्होंने आगे कुछ नहीं कहा। उल्लेखनीय है कि पंजाब, हरियाणा जैसे राज्यों से सैकड़ों किसान सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर डटे हैं। वह इन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। उनका मानना है कि ये कानून किसानों को उद्योगपतियों का मोहताज बना देंगे। सरकार उनसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदारी करना बंद कर देगी। इसके विपरीत सरकार का कहना है कि इन कानूनों के अम में आने से किसानों को अपने उत्पाद कहीं भी बेचने की आजादी दी गई है। खेती के काम में निजी निवेश बढ़ेगा और किसानों की आय बढ़ेगी। मोदी ने उद्योग जगत का हर मोर्चे पर साथ मिलकर काम करने के लिये आह्वान करते हुये कहा, ''आप जितनी पारदर्शिता, सहायता और बेहतरी अपने लिये सरकार से चाहते हैं उतनी ही आपको अपने संस्थानों में अपने स्तर पर महिलाओं, युवाओं और छोटे उद्योगों को मदद करनी चाहिये।'' उन्होंने उद्योगों से कहा कि शोध एवं विकास (आर एण्ड डी) में भी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। अमेरिका में आर एण्ड डी में 70 प्रतिशत तक निवेश निजी क्षेत्र द्वारा किया जाता है जबकि हमारे यहां इस क्षेत्र में बड़ा निवेश सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। उन्होंने निजी क्षेत्र से रक्षा, कृषि, निर्माण और अंतरिक्ष सहित तमाम क्षेत्रों में शोध एवं विकास कार्यों में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार नीतियां बना सकती है प्रोत्साहन के उपाय कर सकती है लेकिन इस सबको सफलता में बदलने का काम देश के उद्योग जगत को करना है। उन्होंने एसोचैम से कहा कि आने वाले 27 साल आपके लिये काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, ''एसोचैम के स्थापना के बाद 27 साल गुलामी के समय बीते हैं, लेकिन अगले 27 साल आपके लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके बाद 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरे होने वाली है।

अमित शाह ने 200 से ज्यादा सीटें जीतने का किया दावा, बोले- चुनाव आने तक अकेली रह जाएंगी ममता बनर्जी

मेदिनीपुर। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में जारी राजनीतिक हिंसा को लेकर ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर और लोग भाजपा में आएंगे तथा चुनाव आने तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री अपनी पार्टी में अकेली रह जाएंगी। पार्टी की एक रैली को यहां संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है, जिसकी वजह से वह जनता से कट गई है। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा प्रदेश में 200 से ज्यादा सीटों के साथ अगली सरकार बनाएगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 294 सीट हैं। शाह का यह बयान उस दिन आया है जब पश्चिम बंगाल के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी, विभिन्न दलों के नौ अन्य विधायकों और टीएमसी के एक सांसद ने भाजपा का दामन थाम लिया।

उन्होंने कहा, 'मैं स्पष्ट रूप से यह कहना चाहता हूं कि भाजपा 200 से ज्यादा सीटों के साथ प्रदेश में अगली सरकार बनाएगी। टीएमसी की राजनीतिक हिंसा और धमकाने का कोई फायदा नहीं होगा। भाजपा अध्यक्ष के काफिले पर हमला हुआ, हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई।' उन्होंने दोहराया, 'आप (टीएमसी) जितनी हिंसा करेंगे, भाजपा उतनी ही मजबूत होगी।' विधानसभा चुनावों से पहले बहुत से लोगों के प्रदेश में सत्ताधारी दल छोड़ने पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा, 'चुनाव आने तक, ममता बनर्जी अपनी पार्टी में अकेली रह जाएंगी।'

जलवायु परिवर्तन की वजह से 2050 तक 4.5 करोड़ भारतीयों को छोड़ना पड़ेगा अपना घर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में सूखा, समुद्री जलस्तर के बढ़ने, जल संकट और चक्रवात सहित तीन गुना अधिक आपदाओं की वजह से 4.5 करोड़ से अधिक लोग अपने घरों से पलायन करने के लिए मजबूर होंगे। यह जानकारी एक रिपोर्ट के माध्यम से सामने आई है। जिसके मुताबिक, देश में 2020 में 1.4 करोड़ लोग पलायन करने को मजबूर हैं और 2050 तक यह आंकड़ा तीन गुने से ज्यादा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 2050 तक जलवायु से जुड़ी आपदाओं के चलते 4.5 करोड़ से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हो जाएंगे। हालांकि, इस रिपोर्ट में बाढ़ और तूफान जैसी आपदाओं की वजह से होने वाले प्रवास को नहीं शामिल किया गया है और भारत में बाढ़ और तूफान की वजह से बहुत सारे लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। अगर इन आंकड़ों को भी इसमें जोड़ा जाता तो संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती थी।

अंग्रेजी समाचार पत्र में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, पेरिस समझौते के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की राजनीतिक विफलता के कारण 2020 में पहले से ही 1.8 करोड़ लोग अपने घरों से पलायन कर चुके हैं। इतना ही नहीं शुक्रवार को जारी हुई रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन बहुत ज्यादा है।

6 करोड़ से ज्यादा लोग हो सकते हैं बेघर

रिपोर्ट के मुताबिक, पांच दक्षिण एशियाई देशों भारत, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के जलवायु ईंधन विस्थापन और प्रवासन का आकलन किया गया है। इन देशों में जलवायु परिवर्तन की वजह से 2050 तक 6 करोड़ से ज्यादा लोग बेघर हो सकते हैं। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी एक्शन ऐड इंटरनेशनल और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क साउथ एशिया द्वारा प्रकाशित की गई रिपोर्ट 'कॉस्ट ऑफ क्लाइमेट इनएक्शन' में सामने आई है।

शिवेसना नेता उर्मिला मातोंडकर बोलीं, महिलाएं राजनीति में बन जाती हैं आसान निशाना

मुंबई। (एजेंसी)।

अभिनेत्री और शिवेसना नेता उर्मिला मातोंडकर ने कहा कि राजनीति की दुनिया में महिलाओं को आसानी से निशाना बनाया जाता है लेकिन उनके लिए ध्यान केंद्रित रखना जरूरी है। एक ऑनलाइन शो 'वी द वुमन' में पत्रकार बरखा दत्ता से शुक्रवार रात बातचीत के दौरान शिवसेना नेता ने कहा कि राजनीति महिलाओं समेत सभी के लिए 'जहरीली' बन चुकी है और वह इस बात को रजनीति में शामिल होने के दौरान जानती थीं। मातोंडकर ने कहा, 'मैं जानती थी कि यह मुश्किल होगा लेकिन फिल्मी करियर भी तो मुश्किल ही था। यह एक जहरीली जगह है और यह सभी के लिए विषैली है और यहां कुछ भी आपको आश्चर्य में नहीं डालता है। महिलाएं इसका आसानी से निशाना बन जाती हैं।'

उन्होंने कहा कि राजनीति में महिलाओं के साथ भेदभाव है लेकिन उन्होंने लोगों के लिए काम करने के इरादे पर ध्यान केंद्रित रखना सीख लिया है। मातोंडकर ने कहा कि राजनीति के जरिए लोगों के साथ जुड़ने का उनका अपना फैसला था और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें फर्क नहीं पड़ता है। इस शो में उनके साथ तमिलनाडु की मशहूर अभिनेत्री और भाजपा नेता खुशबू सुंदर, तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां भी थीं। जहां बांग्ला सिनेमा की दुनिया में काम कर चुकी हैं।

सुंदर ने कहा कि उनका मानना है कि सिनेमा से ज्यादा राजनीति में पितृसत्तामक रवैया है और महिला कलाकारों के लिए इस क्षेत्र में आना मुश्किल है। वहीं जहां ने कहा कि जब वह राजनीति की दुनिया में आईं तो लोगों ने उनके प्रति कई तरह की धारणाएं बनाईं और इसकी पीछे उनका अभिनय की दुनिया से आना भी एक मुख्य वजह था। मातोंडकर और सुंदर ने सोशल मीडिया में ट्रोलिंग पर भी बात की। सुंदर ने कहा कि अब उन्होंने अपनी चमड़ी मोटी कर ली है लेकिन अब भी जब उनके परिवार को इंटरनेट पर निशाना बनाया जाता है, तो उन्हें दुख होता है। वहीं मातोंडकर ने कहा कि वह उस समय डर गयी थीं जब उनके पति, जो कश्मीरी मुस्लिम हैं को 'आतंकवादी और पाकिस्तानी' कहा गया था।

सोनिया के साथ वरिष्ठ नेताओं की बैठक में बोले राहुल, पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाऊंगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को राहुल गांधी से आग्रह किया कि वह एक बार फिर से पार्टी की कमान संभालें, जिस पर राहुल ने कहा कि पार्टी उन्हें, जो भी जिम्मेदारी देगी उसे निभाएंगे। साथ ही, राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अध्यक्ष को चुनने का फैसला चुनाव पर छोड़ना चाहिए। सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक में मौजूद सभी नेताओं ने एकमत से राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की इच्छा जाहिर की। इन नेताओं में कई ऐसे वरिष्ठ नेता भी शामिल थे, जिन्होंने सक्रिय नेतृत्व और व्यापक संगठनात्मक बदलाव की मांग को लेकर पहले पत्र लिखा था।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने कहा, ''मैं वरिष्ठ नेताओं को महत्व देता हूं। इनमें से बहुत सारे लोगों ने मेरे पिता के साथ काम किया है।'' अध्यक्ष बनने के वरिष्ठ नेताओं के आग्रह पर उन्होंने कहा, ''पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाने के लिए तैयार हूं।'' सूत्रों के मुताबिक, जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार करने की बात करने के साथ ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अध्यक्ष के बारे फैसला चुनाव पर छोड़ना चाहिए। बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि सभी नेताओं को साथ मिलकर चलने और संगठन को मजबूत बनाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में संगठन, विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा।

बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल ने संवाददाताओं से कहा, ''बैठक में सकारात्मक चर्चा हुई। सोनिया गांधी ने कहा कि हम बड़ा परिवार हैं और पार्टी को मजबूत करना है। यही बात राहुल गांधी ने कही।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने बताया, ''आज यह पहली बैठक थी। आगे ऐसी बैठकें और होंगी। शिमला और पंचमढ़ी की तर्ज पर चिंतन शिविर भी होगा।'' उन्होंने कहा, ''अच्छे वातावरण में चर्चा हुई। पार्टी को मजबूत करने के लिए जो भी मुद्दे उठाए गए थे, उनका संज्ञान लिया जाएगा। आगे कुछ लोग बैठेंगे और उनकी बात भी सुनी जाएगी।'' राहुल गांधी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ए के एंटनी, अंबिका सोनी, अशोक गहलोत, पी चिदंबरम, कमलनाथ और हरीश रावत की मौजूदगी में पत्र लिखने वाले नेताओं की सोनिया से मुलाकात हुई।

सोनिया के आवास 10 जनपथ पर हुई इस बैठक में गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, शशि थरूर और कई अन्य नेता शामिल हुए। ये नेता पत्र लिखने वाले 23 नेताओं में शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी के साथ इन नेताओं की मुलाकात की भूमिका तैयार करने में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यममंत्री कमलनाथ की अहम भूमिका थी। कमलनाथ ने कुछ दिनों पहले भी सोनिया से मुलाकात की थी। इस बैठक से एक दिन पहले शुक्रवार को पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के 99.99 फीसदी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की भावना है कि राहुल गांधी एक बार फिर से पार्टी का नेतृत्व करें।

उल्लेखनीय है कि गत अगस्त महीने में गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा और कपिल सिब्बल समेत कांग्रेस के 23 नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी का सक्रिय अध्यक्ष होने और व्यापक संगठनात्मक बदलाव करने की मांग की थी। इसे कांग्रेस के कई नेताओं ने पार्टी नेतृत्व और खासकर गांधी परिवार को चुनौती दिए जाने के तौर पर लिया। कई नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की। बिहार विधानसभा

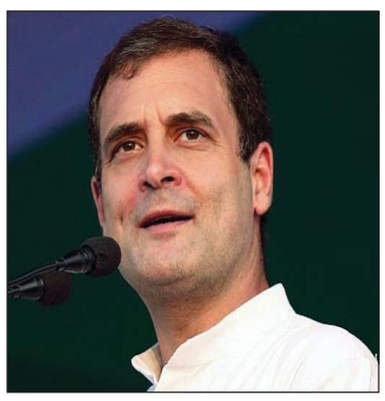

चुनाव और कुछ प्रदेशों के उप चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी, आजाद और सिब्बल ने पार्टी की कार्यशैली की खुलकर आलोचना की थी और इसमें व्यापक बदलाव की मांग की थी। इसके बाद वे फिर से कांग्रेस के कई नेताओं के निशाने पर आ गए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)